प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-118 | सांध्य दैनिक | मथुरा, बुधवार, 24 जून 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

लखनऊ अग्निकांड के बाद अब प्रशासन के निशाने पर वृंदावन

एक दर्जन से अधिक होटल और रेस्टोरेंट पर लगी सील

चैतन्य विहार क्षेत्र स्थित भवन पर लगाई सील का नजारा।

हॉस्पीटल के बारे में संचालिका से बातचीत करते सिटी मजिस्ट्रेट अनुपम कुमार मिश्रा और पुलिस अधिकारी।

चैतन्य विहार फेस वन में नियमों के विपरीत बनाए भवनों पर कार्रवाई करने के दौरान अधिकारी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। लखनऊ में एक कोचिंग सेंटर में हुए अग्निकांड के बाद प्रशासन अब बड़ी कार्रवाई के मूड में आ गया है। मथुरा के बाद अब प्रशासन के निशाने पर मंदिरों की नगरीर वृंदावन आ गई है। अमानक भवन और व्यावसायिक भवनों पर

सिटी मजिस्ट्रेट की अगुवाई में कार्रवाई से मचा हड़कंप

चल रही कार्रवाई के दूसरे दिन प्रशासन ने यहां एक दर्जन से अधिक होटल और रेस्टोरेंट को सील कर दिया।

बुधवार को सिटी मजिस्ट्रेट अनुपम मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस, फायर ब्रिगेड और नगर निगम की संयुक्त टीम ने चैतन्य विहार कालोनी में व्यापक जांच अभियान चलाया। इस दौरान फायर सेफ्टी मानकों की अनदेखी और आवासीय नक्शे पर अवैध रूप से व्यावसायिक गतिविधियां चलाने वाले एक दर्जन से अधिक होटल, गेस्ट हाउस, रेस्टोरेंट और स्पा सेंटरों को मौके पर ही सील कर दिया गया।

जांच में पाया गया कि कई संचालकों ने आवासीय भवनों को बिना अनुमति के होटल और ढाबों में बदल दिया था।

कार्रवाई के डर से कई मालिक प्रतिष्ठानों में ताला लगाकर भाग गए, लेकिन टीम ने उन भवनों को भी नियमानुसार सील कर दिया। सिटी मजिस्ट्रेट ने दो टूक शब्दों में कहा कि जनसुरक्षा से खिलवाड़ किसी भी कीमत पर नहीं होगा और यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। जानकारों की मानें तो किसी ने मानकों के विपरीत भवनों का निर्माण करा रखा है।

किसी के पास अग्निशमन विभाग की एनओसी तक नहीं है। एक निजी हास्पीटल भी संदेह के घेरे में आया है। अधिकारियों की टीम छोटे रास्तों में बनाए गेस्ट हाउस और रेस्टोरेंट का निरीक्षण करने पहुंची। मानचित्र और एनओसी मांगे। न दिखाने पर अधिकारियों ने नाराजगी जाहिर की।

शटर बंद कर भागे संचालक, प्रशासन की नजर

यूनिक समय, मथुरा। लखनऊ अग्निकांड के बाद प्रशासन ने बीएसए इंजीनियरिंग कॉलेज क्षेत्र में अवैध रूप से चल रहे होटल, कोचिंग सेंटर और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रहा है। मंगलवार को प्रशासन, फायर विभाग, एमवीडीए और आवास विकास की संयुक्त टीम ने कई स्थानों पर जांच की थी। कार्रवाई की सूचना मिलते ही कुछ संचालकों ने अपने प्रतिष्ठानों के शटर बंद कर दिए और मौके से चले गए। अब ऐसे सभी प्रतिष्ठान प्रशासन की निगरानी में हैं। ऐसे प्रतिष्ठानों खुलते ही जांच की जाएगी।

नहीं होने देगे खिलवाड़, होगी एफआईआर

यूनिक समय, मथुरा। बुधवार को डीएम चंद्रप्रकाश सिंह ने अवैध भवनों और मानक विहीन कोचिंग सेंटर पर चल रही कार्रवाई को लेकर कहा कि अब किसी को खिलवाड़ नहीं करने दिया जाएगा। एनओसी नहीं होने के बाद भी अमानक भवन में अस्पताल, कोचिंग और अन्य व्यावसायिक गतिविधि किसी भी कीमत पर नहीं चलने दी जाएगी। ऐसे लोग मानक पूरे करा लें, वर्ना प्रशासन ऐसे भवनों को सील करेगा और एफआईआर भी कराएगा।

मौसम की मेहरबानी पर धूप ने फेरा पानी

बुधवार सुबह आसमान में छाए बादल।

सुबह बूदाबांदी से बदला मौसम, लोगों को मिली राहत

यूनिक समय, मथुरा। बुधवार की भोर लोगों के लिए राहत का संदेश लेकर आई। अचानक मौसम बदलने से आसमान में काले बादल छा गए और बूंदाबांदी शुरू हो गई। बयार के साथ रुक-रुककर हुई बूंदाबांदी से मौसम सुहावना हो गया, लेकिन दोपहर में धूप ने सुहाने मौसम का मजा किरकिरा कर दिया। वहीं, मौसम विभाग ने 30 जून तक मौसम साफ रहने का पूर्वानुमान जताया है।

मंगलवार को मौसम में आया बदलाव आज भोर में भी दिखा। अचानक आसमान पर काले बादल छा गए और बयार शुरू हो गई। कुछ देर बाद बादल और गहराए तो आसमान से बूंदाबांदी शुरू हो गई। सुबह नौ बजे तक बूंदाबांदी और बयार लोगों को सुहाने मौसम का अहसास कराती रही।

इसके बाद धीरे- धीरे आसमान साफ होने लगा तो धूप निकल आई।

दोपहर में धूप ने मजा किया किरकिरा, हो गई उमस

दिन चढ़ने के साथ धूप चमकदार हुई तो उमस हो गई, जिससे लोग परेशान हो गए। मौसम के ऐसे हाल से अधिकतम तापमान 39 और न्यूनतम 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार के अनुसार, अब 30 जून तक मौसम पूरी तरह से साफ रहने के आसार हैं। फिलहाल मानसून के संकेत नहीं हैं। मथुरा जिले में मानसून जुलाई में आएगा।

सीयूईटी परिणाम में बढ़ी टॉपर्स की संख्या

प्रतिष्ठित कॉलेजों में दाखिला होगा कठिन

यूनिक समय, नई दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने सीयूईटी–यूजी 2026 का परिणाम घोषित कर दिया है। इस बार परीक्षा में रिकॉर्ड स्तर की प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। दिल्ली के पूर्व परिवहन मंत्री और भाजपा विधायक कैलाश गहलोत की बेटी देवीना गहलोत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्होंने पांच में से चार विषयों में 100 पर्सेंटाइल प्राप्त कर 1232.19 अंक अर्जित किए।

इस वर्ष सीयूईटी–यूजी के लिए 15.68 लाख से अधिक छात्रों ने पंजीकरण कराया था, जबकि 11.64 लाख अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। यह संख्या पिछले वर्ष की तुलना में करीब नौ प्रतिशत अधिक है। परिणामों

के विश्लेषण से पता चलता है कि 100 पर्सेंटाइल प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। एक विषय में 100 पर्सेंटाइल पाने वाले 3,214 छात्र रहे, जो पिछले वर्ष के मुकाबले लगभग 20 प्रतिशत अधिक हैं।

शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि उच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या बढ़ने से दिल्ली विश्वविद्यालय,

100 पर्सेंटाइल वालों की संख्या बढ़ी

बीएचयू और अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश और अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाएगा। विशेष रूप से बीकॉम, अर्थशास्त्र और विज्ञान वर्ग के लोकप्रिय पाठ्यक्रमों में कटऑफ काफी ऊंची रहने की संभावना है।

इस बार अंग्रेजी माध्यम से परीक्षा देने वाले छात्रों की संख्या में भी बड़ा इजाफा हुआ है। अंग्रेजी माध्यम चुनने वाले अभ्यर्थियों की संख्या 13 लाख से अधिक पहुंच गई, जबकि हिंदी माध्यम के छात्रों की संख्या में मामूली गिरावट दर्ज की गई। विशेषज्ञों के अनुसार, इससे हिंदी बेल्ट के कुछ विश्वविद्यालयों में प्रवेश अपेक्षाकृत आसान हो सकता है।

विषयों की लोकप्रियता की बात करें तो केमिस्ट्री और फिजिक्स सबसे अधिक पसंद किए गए विषय रहे। वहीं जनरल एप्टीट्यूट टेस्ट भी सभी वर्गों के छात्रों के बीच तेजी से लोकप्रिय हुआ है।

एनटीए ने पहली बार पांच विषयों के संयुक्त स्कोर के आधार पर शीर्ष 20 विद्यार्थियों की सूची जारी की है। परीक्षा प्रक्रिया को भी पहले की तुलना में अधिक सुव्यवस्थित बनाया गया, जिससे परिणाम समय पर घोषित किए जा सके। कुल मिलाकर, सीयूईटी–यूजी 2026 ने देशभर में उच्च शिक्षा में प्रवेश की प्रतिस्पर्धा को नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया है।

गंगा दशहरा पर श्रद्धालुओं ने लगाई यमुना में आस्था की डुबकी

दशहरा पर्व पर विश्राम घाट पर स्नान करते श्रद्धालु।

सुरक्षा के रहे इंतजाम घाटों पर सक्रिय नजर आए गोताखोर

वृंदावन यमुना घाटों पर उमड़ी भक्तों की भीड़

दशहरा पर्व पर यमुना स्नान क बाद सूर्य को जल अर्पित करती महिलाएं।

यूनिक समय, मथुरा। बुधवार को गंगा दशहरा पर्व पर मथुरा और वृंदावन में यमुना तटों पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। यमुना किनारे क गांव और कस्बों में भी श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। मंदिरों में पूजा- पाठ हुआ और दान- पुण्य किया गया। स्नान के दौरान घाटों पर पुलिसकर्मी मौजूद रहे, जबकि गोताखोर भी सक्रिय नजर आए।

पर्व पर ब्रह्ममुहूर्त से ही मथुरा के विश्राम घाट, बंगाली घाट, स्वामी घाट और वृंदावन के केशी घाट और चीर घाट पर श्रद्धालु यमुना स्नान के लिए पहुंचने लगे।

श्रद्धालुओं ने यमुना में पवित्र डुबकी लगाकर पूजा–अर्चना की और दान–पुण्य कर परिवार की सुख–समृद्धि और मंगलकामना की। घाटों पर वैदिक मंत्रोच्चार, भजन–कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन हुआ। श्रद्धालुओं ने यमुना महारानी का पूजन कर दीपदान भी किया। कई मंदिरों में विशेष आरती और प्रसाद वितरण कार्यक्रम आयोजित किए गए। भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे, घाटों पर पुलिस, गोताखोर और स्वयंसेवकों की तैनाती रही।

दिनभर यमुना तटों पर भक्ति और उत्साह का वातावरण बना रहा। दूर–दराज के क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं ने गंगा दशहरा के पुण्य पर्व पर यमुना स्नान को विशेष फलदायी बताते हुए धर्म लाभ प्राप्त किया। वहीं, फरह कस्बा में यमुना किनारे श्रद्धालुओं ने सूर घाट पर स्नान किया, यहां भी काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने यमुना में स्नान किया।

वृंदावन में गंगा दशहरा पर मंदिरों की नगरी में आए श्रद्धालुओं ने यमुना में आस्था की डुबकी लगाकर पूजा-अर्चना की।

फिर प्रमुख मंदिरों में दर्शन कर दान-पुण्य किया। सुबह से श्रद्धालु यमुना घाटों के किनारे पहुंच गए। उन्होंने यमुना महारानी की जय–जयकारों के साथ यमुना में डुबकी लगाई। हालांकि नगर निगम प्रशासन ने कल ही यमुना किनारे स्थित घाटों की सफाई करा दी और यमुना में श्रद्धालुओं को गहरे पानी में जाने से रोकने के लिए बेरीकेडिंग करा दी। आज सुबह से यमुना किनारे बनाए कैंपों में नगर निगम के अधिकारी, पुलिस और गोताखोरों के साथ श्रद्धालुओं पर पैनी नजर रखते दिखाई दिए। उन्होंने गहरे पानी में जाकर डुबकी लगाने वाले श्रद्धालुओं को टोका। यमुना में डुबकी लगाने के बाद श्रद्धालुओं ने तरबूज, खरबूज और आमों की खरीदारी की। इस बार तरबूज 50 रुपये किलो बिका। इस कीमत को सुनकर हर कोई हैरान रह गया।

जलेबी–फलों की बिक्री बढ़ी

यूनिक समय, मथुरा। गंगा दशहरा के पावन पर्व पर बुधवार को मथुरा के बाजारों में खास रौनक देखने को मिली। सुबह से ही जलेबी, खरबूजे और तरबूज खरीदने वालों की भीड़ दुकानों और ठेलों पर उमड़ पड़ी। श्रद्धालुओं ने भगवान को जलेबी का भोग लगाया और जरूरतमंदों को फल व मिठाई का दान किया। पर्व के चलते फलों और मिठाइयों की मांग में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई। दुकानदारों के अनुसार सामान्य दिनों की तुलना में बिक्री कई गुना अधिक रही।

बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन को उमड़ी भीड़

यूनिक समय, वृंदावन। गंगा दशहरा पर ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन करने के लिए सुबह से लोगों की भीड़ दिखाई दी। मंदिर के आंगन में पहुंचते ही श्रद्धालुओं ठाकुर बांकेबिहारी महाराज की जय–जयकार करते नजर आए। मंदिर में पंतग का बंगला सजाया गया था। भीड़ को देखते हुए पुलिस के साथ मंदिर की सुरक्षा में लगे निजी सुरक्षा कर्मी भी मुस्तैद दिखाई दिए। ठाकुर राधा स्नेह बिहारी मंदिर में भी पतंग का बंगला सजाया गया।

विश्राम घाट पर सुरक्षा के लिए श्रद्धालुओं को सचेत करते सिविल डिफेंस के वार्डन और स्वयंसेवक।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए तैनात नगर निगम के अधिकारियों के साथ गोताखोर।

कोयला पर यमुना पार करते पानी में दो डूबे

युवक को लोगों ने बचा लिया, किशोर पानी में बह गया

किशोर की तलाश में जुटी एनडीआरएफ की टीम

यूनिक समय, मथुरा। थाना महावन क्षेत्र स्थित कोयला के समीप यमुना नदी को पार करने के दौरान एक किशोर पानी में डूब गया, जबकि दूसरे को लोगों ने बचा लिया। किशोर की तलाश की जा रही है।

बताया गया कि गांव बरौली निवासी किशोर कान्हा (16) पुत्र तेजवीर एक दूसरे युवक के साथ आज प्रातः करीब आठ बजे यमुना नदी को पार करने लगा। दोनों यमुना के गहरे पानी में चले गए।

वहां मौजूद लोगों ने दोनों को बचाने का प्रयास किया। काफी प्रयास के बाद युवक को तो बाहर निकाल लिया गया, लेकिन उस समय तक कान्हा यमुना के गहरे पानी में जाकर डूब चुका था। कान्हा के यमुना में डूबने का पता लगने पर मौके पर महावन पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने गोताखोरों और एनडीआरएफ टीम की सहायता यमुना में डूबे किशोर को निकालने के लिए ली। बताया गया कि एनडीआरएफ की टीम और गोताखोर किशोर को यमुना में तलाश कर रहे हैं। जानकारी मिलने पर एसडीएम महावन उषा सिंह, सीओ संजीव कुमार, सीओ रिफायनरी प्रवीण कुमार तिवारी, थाना प्रभारी चेतराम शर्मा, थाना प्रभारी रिफाइनरी अजय कौशल मौके पर पहुंचे। घटना के बाद परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

विश्राम घाट पर मुस्तैद रहे नागरिक सुरक्षा के वार्डन

यूनिक समय, मथुरा। प्रमुख घाटों पर स्नान के लिए श्रद्धालुओं की भारी संख्या को देखते हुए जिला प्रशासन ने सुरक्षा के बेहद कड़े इंतजाम किए गए। कानून व्यवस्था को चुस्त–दुरुस्त रखने, श्रद्धालुओं की सुविधार्थ पुलिस-प्रशासन के सहयोग के लिए नागरिक सुरक्षा (सिविल डिफेंस) के वार्डनों और स्वयंसेवकों की फौज घाटों पर मुस्तैद दिखाई। सुबह पांच बजे से ही नागरिक सुरक्षा के पदाधिकारियों ने मोर्चा संभाला। पूरी व्यवस्था नागरिक सुरक्षा मथुरा के उपनियंत्रक कश्मीर सिंह (राष्ट्रपति पदक से सम्मानित), सहायक उपनियंत्रक नीरज श्रीवास्तव, चीफ वार्डन राजीव अग्रवाल, डिप्टी चीफ वार्डन कल्याण दास अग्रवाल, डिवीजनल वार्डन भारत भूषण तिवारी, डिप्टी डिवीजनल वार्डन राजेश कुमार मित्तल और सीनियर स्टाफ ऑफिसर दीपक चतुर्वेदी के कुशल नेतृत्व में संचालित की गई। वार्डन पोस्ट संख्या एक के पोस्ट वार्डन-मास्टर ट्रेनर अशोक यादव की टीमसहित समस्त पोस्ट वार्डन, डिप्टी पोस्ट वार्डन और सेक्टर वार्डन अपनी–अपनी पोस्टों से जुड़े स्वयंसेवकों के साथ पूरी मुस्तैदी से डटे रहे। कर्मियों का मनोबल बढ़ाने के लिए डिवीजनल वार्डन, डिप्टी डिवीजनल वार्डन, स्टाफ ऑफिसर और आईसीओ भी खुद घाटों पर मौजूद रहे।

सेल्समैन ने ही रचा था लूट का ड्रामा

पुलिस गिरफ्त में लूट का फर्जी नाटक रचने वाला सेल्समैन।

पुलिस ने पति-पत्नी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

100 सीसी कैमरों की फुटेज खंगालने पर खुला राज

सेल्समैन के घर से बरामद हुए दस लाख सत्तर हजार रुपये

यूनिक समय, मथुरा। आईएसबीटी की सर्विस लाइन पर जेपी इंटर प्राइजेज पान मसाला कंपनी के सेल्समैन से आंखों में मिर्च डालकर दस लाख रुपये से अधिक की लूट का मामला फर्जी निकला। सेल्समैन ने नोटों से भरा बैग पत्नी को दे दिया और लूट का फर्जी ड्रामा बनाते हुए रिपोर्ट दर्ज करा दी।

एसपी सिटी राजीव कुमार ने बताया कि जेपी इंटर प्राइजेज आजमपुर के मालिक जगदीश प्रसाद गौतम निवासी मनीपाड़ा वृंदावन ने पुलिस में 22 जून को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि काशीराम कॉलोनी रिफाइनरी में रहने वाले कंपनी के सेलसमैन विजय कुमार कंपनी की उधारी वसूल करने के बाद बैग में रकम रख कर लौट रहे थे। रास्ते में आईएसबीटी के सर्विस लेन में बाइक सवार दो अज्ञात बदमाशों ने उनकी आंख में मिर्च डालकर नोटो से भरा बैग लूट लिया। बैग में दस लाख सत्तर हजार रुपये थे। मामले में एफआईआर दर्ज करने के बाद सर्विलांस, स्वाट और थाना हाइवे की पुलिस टीमों ने घटना स्थल के आस-पास से लेकर 100 से अधिक सीसी टीवी केमरों की फुटेज को खंगाला, कहीं भी लूट की वारदात होती नजर नहीं आई। पुलिस ने कंपनी मालिक और कथित लूट का शिकार हुए सेल्स मैन विजय के बयानों पर नजर डाली। पुलिस ने सेल्समैन विजय से पूछताछ की तो वह टूट गया। उसके काशीराम कॉलोनी के आवास से बैग मिल गया। बैग में दस लाख सत्तर हजार रुपये की पूरी रकम बरामद हो गई। पूछताछ मे विजय ने बताया कि उसे एक प्लाट खरीदना था, जिसके लिए उसके पास पैसे का इंतजाम नहीं हो रहा था। इसके लिए उसने नोटों से भरा बैग अपनी पत्नी को आईएसबीटी पर बुलाकर दे दिया और लूट का फर्जी ड्रामा करते हुए मालिक को लूट की जानकारी दे दी। पुलिस ने इस मामले में विजय और उसकी पत्नी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया।

भाई के घर गमीं में जाती बहन की मौत, दूसरी बहन व जीजा गंभीर

कोसीकलां फ्लाईओवर पर हुआ गंभीर हादसा

तीन परिवारों में मचा गया कोहराम

यूनिक समय, मथुरा। भाई की मौत के बाद उसके घर गमीं के लिए बाइक से जाती दो बहन और जीजा के साथ कोसीकलां के फ्लाइओवर पर आज बड़ा दर्दनाक हादसा हो गया। बाइक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में एक बहन की मौत हो गई, दूसरी बहन और जीजा बुरी तरह से घायल हो गए।

थाना छाता के गांव रहेड़ा निवासी ओमप्रकाश की पत्नी गीता के भाई की कुछ दिनों पहले मृत्यु हो गई थी। आज गीता अपनी दूसरी बहन मधु के साथ पति ओमप्रकाश की मोटरसाइकिल से गांव से कोसीकलां भाई के घर फिरने के लिए जा रही थी। उनकी बाइक जैसे ही कोसीकलां के फ्लाइओवर पर पहुंची पीछे से तेज गति से आते किसी वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना में गीता की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पति ओमप्रकाश और मधु बुरी तरह से घायल हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। दुर्घटना में मृत मधु के शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस हादसे से तीन परिवारों में कोहराम मचा गया।

परखम गोशाला के पास मुठभेड़ में इनामी चोर घायल

मुठभेड़ में घायल चोर को लाते पुलिसकर्मी।

एंटी रिवार्डिड टीम और फरह पुलिस ने की संयुक्त कार्रवाई

पैर में गोली लगने से घायल हो गया 15 हजार का इमानी

यूनिक समय, मथुरा। फरह पुलिस और एंटी रिवार्डिड टीम ने संयुक्त रूप से मुठभेड़ कर 15 हजार के इनामिया चोर को गिररफ्तार किया है। पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ के दौरान गोली पैर में लगने से चोर घायल हो गया। घायल को इलाज के लिए हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

सीओ रिफाइनरी ने बताया कि थाना फरह में बिजली के तार चोरी और पुलिस मुठभेड़ में अपराधी श्याम सिंह निवासी कुथियाना थाना अम्बाह जिला मुरैना मध्य प्रदेश वंछित चल रहा था। पुलिस उसकी गिरफ्तारी को लगातार दबिश दे रही थी, लेकिन वह पकड़ में नहीं आ रहा था। पुलिस विभाग ने उसकी गिरफ्तारी पर 15 हजार रुपये का इनाम घोषित कर रखा था।

फरह पुलिस की टीम और एंटी रिवार्डिड टीम परखम पर चेकिंग कर रही थी। इसी बीच पुलिस को सूचना मिली कि इनामिया बदमाश श्याम सिंह यहां से होकर गुजरने वाला है। इस सूचना पर पुलिस ने सतर्कता के साथ परखम गोशाला पर चेकिंग करना शुरू कर दिया। वहां आते बाइक सवार को पुलिस ने चेकिंग के लिए रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देख कर बाइक सवार ने फायरिंग कर दी। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। फायरिंग में बदमाश के पैर में गोली लगी और वह घायल होकर बाइक से गिर पड़ा। पुलिस ने मौके से उसे गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से देशी तमंचा- कारतूस और बाइक बरामद हुई। पुलिस ने घायल अपराधी श्याम सिंह को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।

संदिग्ध हालत में मिला डिलीवरी मैन का शव

परिवार के लोगों ने जताई हत्या की आशंका

यूनिक समय, मथुरा। थाना रिफाइनरी के स्वर्ण जंयती हॉस्पिटल के निकट एक डिलेवरी मैन का शव संदिग्धावस्था में पड़ा मिला। परिवार के लोग उसके साथ अनहोनी की आशंका जाहिर कर रहे हैं।

औरंगाबाद निवासी युवक हरीशंचंद पुत्र राकेश टाउन शिप स्थित एक फूड कंपनी में डिलीवरी मैन की सर्विस करता था। बताया गया कि कल वह सायं घर से मोटरसाइकिल लेकर टाउन शिप के लिए गया था। रात को करीब नौ बजे उसका शव थाना रिफाइनरी क्षेत्र स्थित स्वर्ण जयंती हॉस्पिटल के समीप पड़ा मिला। उसकी मोटर साइकिल भी वहीं खड़ी मिली। पुलिस ने हरीशचंद के परिवार को इस बारे में सूचना दी थी। परिवरा के लोगों में हीरशचंद की मौत का पता लगने पर हड़ंकम मच गया काफी संख्या में परिवार के लोग मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिवार के लोगों का आरोप है कि उसके किसी ने किसी पेय पदार्थ में कुछ दे दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही इस मामले में कार्रवाई की जाएगी।

दुष्कर्मी को किया गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। राया पुलिस ने दुष्कर्म के मामले में वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार। थाना राया में 22 जून को अभियुक्त कपिल निवासी ग्राम थना अमर सिंह के खिलाफ एक व्यक्ति ने तहरीर दी थी। जिसमें स्कूल जाती उसकी पुत्री के साथ छेड़खानी और अभद्रता और गाली गलौच कर धमकी देने के साथ दुराचार का आरोप लगाया गया। पुलिस ने मामला दर्ज करने के बाद अभियुक्त की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने कपिल को नीमगांव तिराहे के समीप से गिरफ्तार कर लिया।

पीडब्ल्यूडी कार्यालय में कुत्ते ने उधेड़ डाली कुर्सियां

यूनिक समय, मथुरा। कार्यालय बंद होने के दौरान एक कुत्ता भी बंद रह गया। कर्मचारियों की गलती से बंद कुत्ते ने रातभर कार्यालय में उत्पात मचाया। भूख और घबराहट से परेशान कुत्ते ने कार्यालय की कई कुर्सियों को उधेड़ डाला। सुबह कर्मचारी कार्यालय आए, तब जानकारी हुई, इसके बाद कुत्ते को बाहर निकाला गया। यह मामला शहर के कृष्णापुरी स्थित लोक निर्माण विभाग निर्माण खंड-1 के कार्यालय का है। यहां बीते दिन कर्मचारियों की लापरवाही से कार्यालय के एक कमरे में कुत्ता बंद हो गया। रातभर भूखा प्यास कुत्ता कमरे में बंद रहा और भौंकता रहा। मौजूद चौकीदार भी कार्यालय की चाबी नहीं होने की वजह से कुछ नहीं कर सके, जबकि कमरे में बंद कुत्ते की आवाज और सामान तोड़ने की जानकारी उनको परेशान करतीं रहीं। सुबह कार्यालय पहुंचे कर्मचारियों ने उसे बाहर निकाला। कमरे में बंद रह गए कुत्ते ने कई कुर्सियों को उधेड़ डाला। इस दौरान फाइलें और दस्तावेज सुरक्षित रहे।

जंक्शन पर युवक की संदिग्ध मौत

मां के साथ ग्वालियर जाने को ट्रेन का इंतजार कर रहा था

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या एक पर मां के साथ ट्रेन का इंतजार करने वाले युवक को अचानक खून की उल्टियां आने के कारण संदिग्ध परिस्थितियों मे मौत हो गई।

बताया गया कि युवक धर्मेंद्र(25) पुत्र रमेशचंद निवासी सिकंदर कम्पू गली नंबर 2 गिरवई ग्वालियर मध्य प्रदेश अपनी मां के साथ मथुरा-वृंदावन के दर्शन और परिक्रमा करने के लिए आया था। दर्शन आदि करने के बाद वह ग्वालियर जाने वाली ट्रेन का प्लेट फॉर्म संख्या एक पर इंतजार कर रहा था। बताया गया इसी दौरान उसका दोस्त विशाल वहां आ गया। धर्मेंद्र दोस्त के साथ बात करता हुआ स्टेशन पर चला गया। कुछ देर बाद धर्मेंद्र को खून की उल्टियां आना शुरू हो गई। उसे खून की उल्टियां करते देख मां की हालत खराब हो गई। आरपीएफ के जवानों ने धर्मेंद्र को जिला अस्पताल ले जाकर भर्ती कराया, जहां उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। जीआरपी ने युवक के शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। धर्मेंद्र की मौत से उसके परिवार शोक में डूब गया।

INVESTIGATION	OUR RATES	MARKET RATES	INVESTIGATION	OUR RATES	MARKET RATES
MRI BRAIN	2500	4500	CT ANGIOGRAPHY BRAIN	5500	8000
MRI WHOLE SPINE	7000	11000	COLUR DOPPLER	400/500	2000
MRI WHOLE ABDOMEN	5000	8000	ECHO CARDIOGRAPHY	1000	2000
MRI ANY JOINT	3500	4500	ULTRASOUND ABDOMEN	200	800
MRCP	4000	5000	DIGITAL XRAY	100	300
CT WHOLE ABDOMEN	3000	4500	MEMOGRAPHY	1500	3000
CT HEAD	1500	2000	OPG	400	600
CT ANGIOGRAPHY	7000	8000			

विद्युत विभाग की लापरवाही 90 घंटों से उत्पादन ठप

औद्योगिक क्षेत्र साइट-बी में चरमराई विद्युत व्यवस्था

उद्यमियों में भारी आक्रोश, सरकार से दखल की मांग

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा रिफाइनरी स्थित औद्योगिक क्षेत्र साइट-बी में विद्युत व्यवस्था पूरी तरह चरमरा जाने के कारण लगभग 90 घंटों से उद्योगों का उत्पादन गंभीर प्रभावित है। क्षेत्र में हाल ही में आरएमयू स्थापित किए जाने के बावजूद विद्युत आपूर्ति की स्थिति में सुधार होने के बजाय लगातार खराब स्थिति देखने को मिल रही है। बार-बार लाइन सप्लाई का टू फेज होना, फाल्ट की पुनरावृत्ति और समय पर स्थायी समाधान न होने के कारण उद्यमियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

रिफाइनरी इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष मोहित अग्रवाल ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र के उद्यमी पिछले कई दिनों से लगातार विद्युत संकट झेल रहे हैं। अनेक फैक्ट्रियों में उत्पादन बार-बार बाधित हो रहा है, मशीनें प्रभावित हो रही हैं, श्रमिकों का समय व्यर्थ जा रहा है और निर्धारित समय पर ग्राहकों को माल की आपूर्ति करना कठिन हो

गया है। इससे उद्योगों की साख और व्यापारिक गतिविधियों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि उद्योगों द्वारा समय पर विद्युत बिलों का भुगतान किए जाने के बावजूद उन्हें गुणवत्तापूर्ण और निबाध्य विद्युत आपूर्ति प्राप्त नहीं हो पा रही है। आरएमयू जैसी महत्वपूर्ण व्यवस्था स्थापित होने के बाद भी यदि बार-बार लाइन दो फेज हो रही है तो इसके कारणों की गहन तकनीकी जांच कर स्थायी समाधान किया जाना चाहिए।

एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि इस समस्या को लेकर लगातार विद्युत विभाग के अधिकारियों को अवगत कराया जा रहा है। मुख्य अभियंता से वार्ता के उपरांत उन्होंने स्वयं संज्ञान लेते हुए अधीनस्थ अधिकारियों को तत्काल तकनीकी विशेषज्ञों की सहायता से समस्या का समाधान करने और उद्यमियों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं का निराकरण करने के निर्देश दिए हैं।

उद्यमियों का कहना है कि यदि विद्युत विभाग समस्या का स्थायी समाधान नहीं कर पा रहा है तो यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि आखिर बार-बार उत्पन्न हो रही तकनीकी खराबी का वास्तविक कारण क्या है। उद्योगों को यह जानने का अधिकार है कि करोड़ों रुपये के उत्पादन, सैकड़ों श्रमिकों की आजीविका और क्षेत्र की औद्योगिक गतिविधियां आखिर कब तक इस प्रकार प्रभावित होती रहेंगी।

रिफाइनरी इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ने मांग की है कि विद्युत विभाग उच्च स्तरीय तकनीकी टीम गठित कर आरएमयू और संबंधित विद्युत तंत्र की विस्तृत जांच कराए, दोषियों की जवाबदेही तय करे। भविष्य में ऐसी स्थिति पैदा न हो, इसके लिए स्थायी कार्ययोजना घोषित करे। एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र और संतोषजनक समाधान नहीं किया गया तो उद्यमी सामूहिक रूप से आगे की रणनीति बनाएंगे।

आपकी आवाज बनेगा हमारा अभियान

जनहित से जुड़े मुद्दों को उजागर करने और आम जनता की समस्याओं को संबंधित विभागों तक पहुंचाने के लिए हम आपके सहयोग की अपेक्षा करते हैं। यदि आपके क्षेत्र में किसी भी विभाग से संबंधित कोई समस्या, अव्यवस्था, लापरवाही, भ्रष्टाचार, गंदगी, टूटी सड़क, जलभराव, बिजली-पानी की समस्या अथवा अन्य कोई जनहित का मामला है, तो उसकी जानकारी हमें भेजें। समस्या से संबंधित स्पष्ट फोटो या वीडियो के साथ संक्षिप्त विवरण उपलब्ध कराएं। आपकी ओर से प्राप्त जानकारी को प्रमुखता से प्रकाशित कर संबंधित अधिकारियों एवं विभागों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा, ताकि समस्या के समाधान में मदद मिल सके।

आपकी जागरूकता, समाज के विकास की ताकत है।

-संपादक

टेलीफोन : 0565-3550761 मोबाइल : 8394983366

राजकीय आईटीआई में 30 जून को लगेगा अप्रेंटिसशिप मेला

यूनिक समय,मथुरा। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्रधानाचार्य ने बताया है कि 30 जून को सुबह 10 बजे से राजकीय आईटीआई परिसर वृंदावन रोड पर अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले में मथुरा सहित अन्य क्षेत्रों की विभिन्न कंपनियां और प्रतिष्ठान प्रतिभाग करेंगे। वर्ष 2022, 2023, 2024 और 2025 में आईटीआई उत्तीर्ण अभ्यर्थी, अन्य इच्छुक बेरोजगार युवक-युवतियां इसमें भाग ले सकते हैं। इस मेले में इच्छुक अभ्यर्थी अपने समस्त मूल प्रमाण-पत्र, स्वप्रमाणित छायाप्रतियां और आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होना होगा।

आवारा कुत्तों का बढ़ा आतंक

जिला अस्पताल में रोज आ रहे 200 से ज्यादा मरीज

यूनिक समय, मथुरा। शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। इसका असर जिला अस्पताल में दिखाई दे रहा है। इन दिनों कुत्ते के काटने वाले मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। हालत यह है कि रोजाना सुबह से ही जिला अस्पताल में एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाने वालों की लंबी लाइन लग जाती है।

जिला अस्पताल में प्रतिदिन करीब 200 से 225 लोगों को कुत्ते के काटने के बाद लगने वाली एंटी रेबीज वैक्सीन लगाई जा रही है। इनमें बच्चे, महिलाएं, बुजुर्ग और युवा सभी शामिल हैं। अस्पताल में सुबह से ही मरीजों की भीड़ देखी जा रही है। जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. नीरज अग्रवाल ने बताया कि कुत्ते के काटने के बाद समय पर इलाज और टीकाकरण बहुत जरूरी होता है। उन्होंने बताया कि मरीज को निर्धारित समय के अनुसार वैक्सीन लगाई जाती है। कुत्ते के काटने के

जिला अस्साल में एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाता मरीज।

बाद पहले सप्ताह के भीतर तीन टीके लगाए जाते हैं, जबकि अंतिम टीका 28 वें दिन लगाया जाता है। उन्होंने बताया कि रविवार को टीकाकरण नहीं होने के कारण सोमवार को मरीजों की संख्या कुछ बढ़ जाती है। अस्पताल में सुबह से ही बड़ी संख्या में लोग वैक्सीन लगवाने के लिए इंतजार करते दिखाई देते हैं।

डॉक्टरों का कहना है कि कुत्ते के काटने पर घबराने की बजाय तुरंत घाव को साबुन और साफ पानी से अच्छी तरह धोना चाहिए और जल्द से जल्द अस्पताल पहुंचकर वैक्सीन लगवानी चाहिए। थोड़ी सी लापरवाही भी खतरनाक साबित हो सकती है। यह तो केवल जिला अस्पताल में ही वैक्सीन लगवाने के लिए आ रहे है,कुछ लोग प्राइवेट और सीएचसी,पीएचसी पर भी वैक्सीन लगवा रहे है।

ब्रज की प्राचीन चरकुला नृत्य विधा के संरक्षण को प्रशिक्षण कार्यशाला

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। वृंदावन शोध संस्थान में बुधवार को संस्कृति विभाग और वृंदावन शोध संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में ब्रज की लुप्तप्राय प्राचीन लोकनृत्य परंपरा चरकुला नृत्य के संरक्षण, संवर्धन और प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से 15 दिवसीय चरकुला नृत्य प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। आठ जुलाई तक चलने वाली कार्यशाला में चरकुला नृत्य का प्रशिक्षण शशि देवी ने दिया।

मुख्य अतिथि संत गोविंदानंदतीर्थ ने कहा कि चरकुला नृत्य ब्रज की सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण अंग है। इस प्रकार की प्रशिक्षण कार्यशालाएं युवा पीढ़ी को अपनी लोक परंपराओं से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

लोक संस्कृति विशेषज्ञ राजेश प्रसाद शर्मा ने कहा कि ब्रज की लोक कलाओं के संरक्षण-संवर्धन के लिए समाज के सभी वर्गों को आगे आना चाहिए, जिससे हमारी सांस्कृतिक विरासत सुरक्षित रह सके।

प्रशिक्षिका शशि देवी ने

वृंदावन शोध संस्थान में चरकुला नृत्य विधा के संरक्षण को प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ करते संत गोविंदानंद आदि।

प्रतिभागियों को चरकुला नृत्य की परंपरा, इतिहास और इसकी तकनीकी बारीकियों से परिचित कराते हुए नियमित अभ्यास के महत्व पर बल दिया।

संस्थान के निदेशक डॉ. राजीव द्विवेदी ने कहा कि संस्थान ब्रज की लोककला परंपरा को संरक्षित करने के लिए कटिबद्ध है। संचालन और समन्वय ब्रज संस्कृति संग्रहालय की क्यूरेटर श्रीमती ममता गौतम ने किया। इस अवसर पर डॉ. ब्रजभूषण चतुर्वेदी, राजेशप्रसाद शर्मा, रामकुमार शास्त्री, किशोरी, अंशु दिवाकर, प्राची चौहान और वैष्णवी शर्मा आदि उपस्थित थे।

अभिषेक पाराशर बने उ.प्र उद्योग व्यापार मंडल के जिला उपाध्यक्ष

यूनिक समय, राया। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष मुकेश वार्ष्णेय ने राया निवासी अभिषेक पाराशर को व्यापार मंडल का जिला उपाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया है।

व्यापार मंडल के जिला मंत्री हरिओम अग्रवाल मांट वाले, विशाल खुराना ब्राह्मण सभा अध्यक्ष अरविंद शर्मा, आलोक अग्रवाल, चंद्रप्रकाश अग्रवाल, मुन्नालाल अग्रवाल और विशाल पाराशर आदि ने हर्ष व्यक्त किया है।

तापमान / मौसम

39 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

27 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना

24 कैरट 1,44,480

22 कैरट 1,32,440

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,45,000 प्रति किलो

प्रभु से बढ़कर कोई और सुख और संपदा नहीं: अनुप्रिया

यूनिक समय, मथुरा। बरारी क्षेत्र के ग्राम आंवला सुल्तानपुर यौरा के श्री बाला जी मंदिर पर चल रही श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन कथावाचिका अनुप्रिया किशोरी ने अपने श्रीमुख से भगवान के 24 अवतार, दुर्गा मां ने नौ रूप, गोमाता की सेवा, राजा बलि की कथा और तुलसीदास द्वारा लिखी गई हनुमान चालीसा का विस्तारपूर्वक वर्णन किया। श्रोताओं ने नाचते गाते हुए कथा का आनंद लिया। परीक्षित सावित्री देवी पत्नी जगपाल चौधरी ने बताया कि सब पर ठाकुर जी की कृपा है, जिसकी

भागवत कथावाचिका अनुप्रिया किशोरी

वजह से सभी कथा का आनंद ले रहे है । श्रीमद भगवत कथा का रसपान कर पा रहें हैं क्योंकि जिन्हें गोविन्द प्रदान करते है जितना प्रदान करते है उसे उतना ही मिलता है।

पतंग के बंगले के बीच ठाकुरजी के दर्शन कर भक्त हुए निहाल

यूनिक समय, वृंदावन । ठाकुर राधा दामोदर मंदिर में गंगा दशहरा पर 'पतंगों का बंगला' सजाया गया। ठाकुर राधा दामोदर लाल ने रंग-बिरंगी पतंगों से सजे इस दिव्य बंगले के मध्य विराजमान होकर अपने भक्तों को दर्शन दिए। इस अलौकिक छवि को निहारने के लिए मंदिर में सुबह से ही भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। पूरा मंदिर प्रांगण 'राधा दामोदर लाल की जय' और 'राधे-राधे' के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा। मंदिर के सेवायत दामोदर चंद्र गोस्वामी महाराज ने बताया कि यह उत्सव पूरी तरह पारंपरिक मर्यादाओं के साथ संपन्न हुआ। मंदिर के बड़े गुसाई आचार्य कनिका प्रसाद गोस्वामी महाराज के सानिध्य में गंगा दशहरा का यह उत्सव मनाया गया।

हंसता आईना

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए, राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-2420150,

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

गंगा दशहरा पर जवाहर बाग में सजा पतंगों से आसमान

जनप्रतिनिधियों ने उड़ाई पतंग

जवाहर बाग में भव्य पतंग उत्सव के दौरान मौजूद विधायक पूरन प्रकाश, विधायक राजेश चौधरी, पूर्व विधायक कारिन्दा सिंह, समाजसेवी प्रमोद गर्ग कसेरे एवं अन्य।

जनप्रतिनिधियों और गणमान्यों ने लिया उत्सव का आनंद

यूनिक समय, मथुरा। बुधवार को गंगा दशहरा पर जवाहर बाग में भव्य पतंग उत्सव के दौरान आसमान में पतंग उड़ाई और पेच लड़ाए गए। जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों, उद्योगपतियों और शहर के गणमान्य लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर पर्व की खुशियों को साझा किया। आसमान में रंग–बिरंगी पतंगों की छटा ने उत्सव को यादगार बना दिया।

प्रमुख समाजसेवी और 'जल पुरुष' के नाम से प्रसिद्ध प्रमोद गर्ग कसेरे के संयोजन में पतंग उत्सव आयोजित हुआ। बड़ी संख्या में लोगों ने पतंगबाजी का आनंद लिया और सामाजिक सौहार्द का संदेश दिया। उत्सव में आए अतिथियों के लिए विभिन्न व्यंजनों की विशेष व्यवस्था की गई थी। लोगों ने गर्मागर्म जलेबी–कचौड़ी, अलीगढ़ की प्रसिद्ध बेड़ई, साउथ इंडियन इडली–सांभर, वडा, फल चाट, शिकंजी और ठंडाई सहित अनेक स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लिया।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण ने कहा कि प्रमोद गर्ग कसेरे के पिता भी मथुरा के प्रमुख समाजसेवी रहे हैं।

प्रमोद गर्ग कसेरे अपने कार्यों और जनहित के प्रयासों से अपने पिता के नाम को और अधिक रोशन कर रहे हैं, जो पूरे समाज के लिए प्रेरणादायक है। आयोजक प्रमोद गर्ग कसेरे ने कहा कि पतंग उत्सव के आयोजन का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि लोगों को जवाहर बाग से जोड़ना भी है। उन्होंने कहा कि शहर के अधिक से अधिक लोग यहां आएं, सुबह की सैर करें, व्यायाम करें और स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं।

कार्यक्रम में मांट विधायक राजेश चौधरी, बल्देव विधायक पूरन प्रकाश, कोसी नगर पालिका अध्यक्ष धर्मवीर अग्रवाल, पूर्व विधायक करिंदा सिंह, प्रदीप माथुर, रविकांत गर्ग, अग्रवाल सभा के चुनाव अधिकारी जयंती प्रसाद अग्रवाल, सुभाष सिक्का, मुरारी लाल नेताजी, उद्योगपति पवन चतुर्वेदी, वरिष्ठ अधिवक्ता नंदकिशोर उपमन्यु समेत आदि नागरिक उपस्थित रहे।

बहुत विधायक घूमते हैं...

यूनिक समय, मथुरा। इंटरनेट मीडिया पर इन दिनों एक माननीय और प्रधान के बीच हुई बहस का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। ग्राम सरकार के निर्वाचित प्रधान, अब प्रशासक वीडियो में माननीय को विकास कामों को लेकर खरी-खरी सुना रहे हैं तो माननीय भी खड़े होकर उत्तर दे रहे हैं। तीखी नोंक-झोंक वाली इस बहस का अंत माननीय के समर्थकों के सामने आने और पंचायत समाप्त होने के साथ हुआ।

पंचायत में अपनी बात रखते विधायक पूरन प्रकाश।

इंटरनेट मीडिया पर फरह क्षेत्र के एक गांव से जुड़ा वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें गांव सूमपुरा के प्रधान ऊदल और विधायक के बीच बहस नजर आ रही है। यह वीडियो चौहान पट्टी की कुल देवी छींकारी माता से जुड़े कार्यक्रम का है। इस कार्यक्रम के दौरान पंचायत चल रही है, जिसमें विधायक पूरन प्रकाश अपने समर्थकों के साथ बैठे हैं, इसी दौरान ग्राम पंचायत सूमपुरा के प्रशासक प्रधान ऊदल सिंह आते हैं, विधायक पर विकास कामों की उपेक्षा का तंज कसते हुए कहते हैं कि बहुत विधायक घूमते हैं। इसके बाद वह जाने लगते हैं, इस पर कई लोग उनको रोकते हैं। वह फिर विधायक पर निशाना साधते हैं। इस पर विधायक पहले तो बैठकर ही अपनी बात रखते हैं, गर्मी बढ़ने पर खड़े जाते हैं। अपनी बात को रखते हैं, जिससे नाराज चौहान पट्टी के लोग विधायक की बात का प्रतिकार करते हैं। इसके बाद मामला और बढ़ने लगता है तो विधायक के अनुयायी भी बीच में कूदते दिखते है, शोरगुल के बीच बात सुनाई नहीं देती है। वैसे, विधायक का चौहान पट्टी में यह विरोध पहली बार नहीं हुआ है, बीते चुनाव से पहले भी विरोध हुआ था। फरह क्षेत्र में इंटरनेट मीडिया पर वायरल वीडियो लगातार चर्चा में बना हुआ है।

मोर पंख पर उठे सवालों से जैन समाज नाराज

गुरू मां बोलीं– पहले सही जानकारी लें

यूनिक समय, मथुरा। मोर पंख के उपयोग को लेकर उठ रहे सवालों पर जैन संत और समाज ने नाराजगी जताई है। बुधवार को पत्रकार वार्ता में रत्न साधिका गुरू मां गणिनी आर्यिका अर्शमती ने कहा कि बिना पूरी जानकारी के धार्मिक परंपराओं पर सवाल उठाना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि मोर पंख जैन और सनातन धर्म में अहिंसा, पवित्रता और जीव–दया का प्रतीक माना जाता है। साधु–संत इसका उपयोग किसी जीव को नुकसान पहुंचाने के लिए नहीं, बल्कि उनकी रक्षा के लिए करते हैं। गुरू मां ने बताया कि मोर पंख से बनी पंची का उपयोग बैठने या चलने से पहले स्थान को हल्के से साफ करने के लिए किया जाता है, ताकि कोई छोटा जीव–जंतु अनजाने में भी चोटिल न हो। यह अहिंसा का संदेश देता है।

रत्न साधिका गुरू मां गणिनी आर्यिका अर्शमती।

उन्होंने कि मोर पंख किसी मोर को नुकसान पहुंचाकर नहीं लिए जाते। हर वर्ष एक समय ऐसा आता है, जब मोर के पुराने पंख अपने आप झड़ जाते हैं और नए पंख निकल आते हैं। इन्हीं गिरे हुए पंखों को इकट्ठा कर धार्मिक कार्यों में उपयोग किया जाता है। उन्होंने कहा कि जैन साधु–संत तप, त्याग और जीवों की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित करते हैं। ऐसे में उनके धार्मिक उपकरणों को लेकर गलत बातें फैलाना उचित नहीं है। किसी भी विषय पर टिप्पणी करने से पहले उसके बारे में सही जानकारी होना जरूरी है।

श्रद्धालुओं को प्याऊ लगाकर बांटा शीतल दूध

यूनिक समय, मथुरा। गंगा दशहरा पर तीर्थराज विश्राम घाट पर श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान ने शीतल दूध की प्याऊ लगा कर संत–वैष्णव की सेवा की। इस अवसर पर संस्थान की प्रबंध समिति के सदस्य गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी के प्रयास और मार्गदर्शन में संचालित शीतल दूध की प्याऊ सेवा का लाभ हजारों भक्तजनों ने लाभ लिया। इस सेवा में माधव चतुर्वेदी ने प्रसाद वितरण में विशिष्ट योगदान प्रदान किया।

माल गोदाम रोड से बसों का संचालन

आधा मार्ग बंद, संभलकर करें सफर

बुधवार से नए बस स्टैंड से रोडवेज बसों का संचालन बंद होने से यात्री भ्रम में रहे। जानकारी के बाद बस पकड़ने के लिए माल गोदाम रोड पहुंचे। नए बस स्टैंड पर बस के लिए खड़े यात्री। दूसरे चित्र में नए बस स्टैंड से संचालन बंद होने के बाद माल गोदाम रोड पर खड़ी रोडवेज की बसें।

रेलवे करेगा नए बस स्टैंड पुल पर काम, 15 दिन रहेगा व्यवधान

एक ओर से निकलेगा यातायात, पुलिस और यातायात का इंतजाम

यूनिक समय, मथुरा। रेलवे की ओर से नए बस स्टैंड पुल पर दो और नई लाइन बिछाने का काम जल्द शुरू होगा। पहले चरण में रेलवे की ओर से नए बस स्टैंड वाले पुल के ट्रेनों की सुरक्षा के लिए लोहे के स्ट्रक्चर लगाने का काम होगा। इस काम की वजह से बुधवार से नए स्टैंड से बसों का संचालन बंद कर दिया गया, अब बसें माल गोदाम रोड से संचालित होने लगी हैं। आगामी दिन में केवल एक ओर से यातायात संचालित होना है।

उत्तर मध्य रेलवे की निर्माण शाखा मथुरा–भूतेश्वर रेल परियोजना के अंतर्गत नई रेलवे लाइन बिछाने का काम करेगा। इसके लिए नए बस स्टैंड से स्टेट बैंक चौराहा तक सड़क को नीचे करने का कार्य कराया जाएगा। निर्माण कार्य के सुरक्षित और सुचारु संचालन के लिए इस मार्ग को अब सात जुलाई तक आंशिक रूप से (आधा मार्ग) बंद रखा जाएगा। इस काम के होने के बाद मथुरा जंकशन से ट्रेनों का आवागमन और बेहतर होगा, जबकि पुल का काम पूरा होने से यहां वाहनों को चौड़ा रास्ता मिलेगा, जिससे जाम नहीं लगेगा। वहीं, नए बस स्टैंड पुल के नीचे सालों से चली आ रही जलभराव की समस्या का निदान भी होगा। काम के लिए बुधवार पहले दिन रोडवेज की ओर से नए बस स्टैंड के बजाय बसों का संचालन माल रोड से कराने का काम हुआ। बस स्टैंड के बजाय सामने से बसों का संचालन होने से जाम की स्थिति में भी सुधार दिखा, यहां पहले की तरह लगने वाला जाम नहीं था। वैसे, यातायात पुलिसकर्मी भी सजग बने रहे। उल्टी दिशा को जाने वालों को रोकने का काम भी यातायात पुलिसकर्मी करते दिखे।

रेलवे के जानकारों का कहना है कि अब सड़क को नीचे किया जाएगा, जिससे चौथी और पांचवीं रेल लाइन डालने के बाद यातायात संचालन में बाधा नहीं आए। लाइन बिछाने का काम अगस्त माह में होगा, इस काम के दौरान वाहनों संचालन प्रभावित नहीं होगा। इससे पहले पुल पर दोनों किनारों वाली रेल लाइन को सुरक्षा देने के लिए लोहे का स्ट्रक्चर लगाया जाएगा।

बछगांव में फायरिंग कर दहशत फैलाने वाले चार गिरफ्तार

पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए चार हमलावर।

गोलियां चलाने वाला युवक पुलिस पकड़ से दूर

हमलावरों को गिरफ्तार करने को पुलिस दे रही दबिश

यूनिक समय, सौंख। थाना मगोर्रा के बछगांव में युवक पर जानलेवा हमला में फायरिंग करने वाला मुख्य आरोपी पुलिस की पकड़ से अभी काफी दूर है। हालांकि, पुलिस ने इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

गौरतलब है कि बछगांव में मंगलवार सायं को चौपाल के लिए जाते युवक सचिन पर पुरानी रंजिश को लेकर देवेंद्र उर्फ देबो, अजीत, गौरव, सौरव, पालेंद्र और हाकिम सिंह ने उसे रास्ते में धेर लिया। हमलावरों ने उस पर धार–दार हथियार से हमला किया। सचिन वहां से भागा तो हमलावरों ने उस पर ताबड़ तोड़ गोलियां चलाई। एक गोली सचिन के मोबाइल में लगी थी। सचिन ने किसी तरह भाग कर अपनी जान बचाई। सचिन और देवेंद्र उर्फ देबो के बीच पुरानी रंजिश चल रही है। पुलिस ने इस मामले में सौरभ उर्फ गोपाल, गौरव, अजीत और पालेंद्र को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पुलिस को पालेंद्र से एक चाकू बरामद हुआ है। गोलियां चलाने वाले अभियुक्त देवेंद्र उर्फ देबो पुलिस के अभी हत्थे नहीं चढ़ सका है। थाना प्रभारी हरीश चौधरी का कहना है कि देवेंद्र उर्फ देबो और घटना में शामिल अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। शीघ्र ही अन्य हमलावरों को गिरफ्तार किया जाएगा।

71 की उम्र में पिंकी रोशन का फिटनेस जलवा

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन अपनी फिटनेस और शानदार फिजिक के लिए जाने जाते हैं, लेकिन अब उनकी मां पिंकी रोशन भी फिटनेस के मामले में लोगों का ध्यान खींच रही हैं। 71 साल की उम्र में पिंकी रोशन ने सोशल मीडिया पर अपना एक वर्कआउट वीडियो शेयर किया है, जिसे देखकर फैंस उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। वीडियो में उनका जोश, ऊर्जा और अनुशासन साफ नजर आ रहा है। पिंकी रोशन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर यह वीडियो साझा किया है। वीडियो के साथ उन्होंने एक प्रेरणादायक संदेश भी लिखा। उन्होंने कहा कि जीवन में संतुलन बनाए रखने के लिए दिमाग, दिल और हाथों का एक साथ काम करना जरूरी है। उन्होंने लोगों को खुद पर भरोसा रखने और नियमित अभ्यास जारी रखने की सलाह दी।

वीडियो में पिंकी रोशन कई तरह की एक्सरसाइज करती दिखाई दे रही हैं। सबसे पहले वह डम्बल फ्रंट स्क्वाट करती नजर आती हैं। उम्र को ध्यान में रखते हुए उन्होंने सपोर्ट के लिए बेंच का इस्तेमाल किया, जिससे जोड़ों पर अतिरिक्त दबाव न पड़े। इसके अलावा उन्होंने कई ऐसी एक्सरसाइज कीं जो शरीर की ताकत और संतुलन को बेहतर बनाती हैं। उनके फिटनेस रूटीन में लंजेस, डम्बल शोल्डर प्रेस, बेंट–ओवर केटलबेल रो और एल्बो प्लैंक जैसी एक्सरसाइज शामिल हैं। ये व्यायाम मांसपेशियों को मजबूत बनाने, शरीर की स्थिरता बढ़ाने और फिटनेस को बेहतर रखने में मदद करते हैं। वीडियो में पिंकी रोशन का आत्मविश्वास और समर्पण साफ दिखाई देता है, जो युवाओं के लिए भी प्रेरणा बन सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ती उम्र में नियमित व्यायाम बेहद जरूरी होता है।

युवाओं को भी दे रही कड़ी टक्कर

इससे हृदय रोग, स्ट्रोक और कई अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा कम हो सकता है। वेट ट्रेनिंग और हल्की–फुल्की शारीरिक गतिविधियां मांसपेशियों और हड्डियों को मजबूत बनाए रखने में मदद करती हैं। साथ ही इससे मानसिक स्वास्थ्य और नींद की गुणवत्ता में भी सुधार आता है। पिंकी रोशन का यह वीडियो एक बार फिर साबित करता है कि फिटनेस के लिए उम्र कोई मायने नहीं रखती। यदि इच्छा शक्ति मजबूत हो और नियमित रूप से मेहनत की जाए, तो किसी भी उम्र में स्वस्थ और सक्रिय जीवन जिया जा सकता है। यही वजह है कि सोशल मीडिया पर लोग उन्हें फिटनेस की प्रेरणा और एक सच्चा रोल मॉडल बता रहे हैं।

नए वीजा नियम के बीच ऐसे बचाएं हजारों रुपये

यूनिक समय, नई दिल्ली। जापान भारतीय पर्यटकों की पसंदीदा विदेशी डेस्टिनेशंस में तेजी से शामिल हो रहा है। चेरी ब्लॉसम, बुलेट ट्रेन, आधुनिक तकनीक और अनोखी संस्कृति हर साल लाखों लोगों को अपनी ओर आकर्षित करती है। हालांकि, जापान यात्रा की योजना बना रहे लोगों के लिए एक अहम खबर सामने आई है। करीब 48 साल बाद जापान ने विदेशी यात्रियों के लिए वीजा फीस बढ़ाने का फैसला किया है। नए नियम के अनुसार सिंगल एंट्री वीजा की फीस 3,000 येन से बढ़ाकर 15,000 येन कर दी गई है, जबकि मल्टीपल एंट्री वीजा की फीस 6,000 येन से बढ़कर 30,000 येन हो सकती है। भारतीय मुद्रा में यह राशि लगभग 8 से 9 हजार रुपये तक पहुंच सकती है। बताया जा रहा है कि नई फीस 1 जुलाई 2026 से लागू हो सकती है। हालांकि वीजा फीस बढ़ने के बावजूद जापान की यात्रा बहुत महंगी नहीं होगी। ट्रैवल एक्सपर्ट्स का कहना है कि किसी भी इंटरनेशनल ट्रिप में सबसे बड़ा खर्च फ्लाइट, होटल और लोकल ट्रांसपोर्ट पर होता है। सही

जापान घूमने का सपना

प्लानिंग करके अब भी बजट में जापान घूमना संभव है। जापान में यात्रा को आसान और किफायती बनाने के लिए सुइका आईसी कार्ड काफी उपयोगी माना जाता है। इससे मेट्रो, बस और ट्रेन में आसानी से भुगतान किया जा सकता है। वहीं खाने के लिए 7–इलेवन, लॉसन और फैमिलीमार्ट जैसे स्टोर्स सस्ते और अच्छे विकल्प प्रदान करते हैं। अगर आप जापान घूमने का सपना देख रहे हैं, तो बढ़ी हुई वीजा फीस से घबराने की जरूरत नहीं है। सही बजट प्लानिंग और स्मार्ट ट्रैवलिंग के जरिए आप कम खर्च में भी इस खूबसूरत देश की यादगार यात्रा कर सकते हैं।

चाय छोड़ते ही शरीर और बजट में दिखा बड़ा बदलाव

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली की रहने वाली 27 वर्षीय पल्लवी, जो नोएडा की एक कॉर्पोरेट कंपनी में काम करती हैं, एक महीने तक बाहर की चाय पीने का अनोखा प्रयोग किया। रोजाना 4 से 5 कप चाय पीना उनकी आदत बन चुकी थी। ऑफिस के काम का दबाव हो या दोस्तों के साथ बातचीत, चाय उनके दिन का अहम हिस्सा थी। लेकिन उन्होंने 30 दिनों के लिए बाहर की चाय पूरी तरह छोड़ने का फैसला किया। शुरुआती 3–4 दिन उनके लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहे। उन्हें हल्का सिरदर्द, थकान और बार–बार चाय पीने की इच्छा महसूस हुई। इसका कारण शरीर का कैफीन का आदी होना था। हालांकि पांचवें दिन के बाद उनकी स्थिति सामान्य होने लगी और शरीर ने नए रूटीन को अपनाना शुरू कर दिया। करीब 10 दिनों के भीतर पल्लवी को अपनी

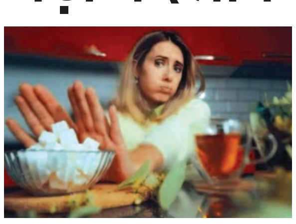

सेहत में सकारात्मक बदलाव महसूस होने लगे। उन्होंने बताया कि ब्लोटिंग और एसिडिटी की समस्या काफी कम हो गई। उनका पाचन बेहतर हुआ और शरीर पहले से ज्यादा हल्का व ऊर्जावान महसूस होने लगा। साथ ही नींद की गुणवत्ता में भी सुधार आया, जिससे सुबह जल्दी उठना और काम पर ध्यान केंद्रित करना आसान हो गया। इस प्रयोग का फायदा उनकी जेब पर भी पड़ा। चाय और उसके साथ होने वाले स्नैक्स पर हर महीने होने वाला 3,000 से 4,000 रुपये का खर्च बच गया। पल्लवी का मानना है कि छोटी आदतों में बदलाव बड़े फायदे दे सकते हैं।

चिल्लाए बिना बच्चे को पढ़ाई के लिए करें तैयार

यूनिक समय, नई दिल्ली। आज के समय में कई माता–पिता इस बात से परेशान रहते हैं कि उनका बच्चा पढ़ाई में मन नहीं लगाता। ऐसे में डांटने या गुस्सा करने से स्थिति और खराब हो सकती है। पेरेंटिंग एक्सपर्ट्स के अनुसार बच्चों को प्यार और समझदारी से पढ़ाई की ओर प्रेरित करना ज्यादा प्रभावी होता है। सबसे पहले बच्चे के लिए एक नियमित टाइम टेबल बनाएं, जिसमें पढ़ाई के साथ खेल और आराम का समय भी शामिल हो। पढ़ाई को छोटे–छोटे लक्ष्यों में बांटें, ताकि बच्चा दबाव महसूस न करे। पढ़ाई के दौरान मोबाइल, टीवी और अन्य ध्यान भटकाने वाली चीजों को दूर रखें। हर 20–25 मिनट की पढ़ाई के बाद छोटा ब्रेक दें और अच्छे प्रदर्शन पर उसकी तारीफ करें। इससे बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ता है। सबसे महत्वपूर्ण बात, धैर्य रखें और बच्चे के सवालों का शांतिपूर्वक जवाब दें। आपका सकारात्मक व्यवहार ही बच्चे को पढ़ाई से जोड़ने में सबसे बड़ी भूमिका निभाता है।

घर पर बनाएं ड्राई फ्रूट लस्सी

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मियों के मौसम में शरीर को ठंडा और हाइड्रेटेड रखना बेहद जरूरी होता है। ऐसे में लस्सी एक बेहतरीन विकल्प मानी जाती है। अगर आप साधारण लस्सी से कुछ अलग और पौष्टिक बनाना चाहते हैं, तो ड्राई फ्रूट लस्सी जरूर ट्राई करें। यह स्वाद में बेहद लाजवाब होती है और शरीर को तुरंत ऊर्जा देने का काम करती है। साथ ही इसमें मौजूद ड्राई फ्रूट्स इसे और भी हेल्दी बना देते हैं। ड्राई फ्रूट लस्सी बनाने के लिए 500 ग्राम दूध, 3 चम्मच कस्टर्ड पाउडर, 3 चम्मच दही, 50 ग्राम चीनी, 12–12 बादाम, पिस्ता और काजू, 1 हरी इलायची, कुछ केसर के धागे, थोड़ा मक्खन और जरूरत अनुसार पानी लें। सबसे पहले थोड़े से दूध में कस्टर्ड पाउडर घोल लें। अब एक बर्तन में दूध गर्म करें और उसमें केसर वाला

स्वाद और सेहत का परफेक्ट कॉम्बिनेशन

दूध और कस्टर्ड मिश्रण मिलाकर अच्छी तरह पकाएं। जब मिश्रण तैयार हो जाए तो गैस बंद कर दें और दूध को हल्का ठंडा होने दें। इसके बाद इसमें दही मिलाकर 10 से 12 घंटे के लिए जमने के लिए रख दें। दही जमने के बाद उसे अच्छी तरह फेंट लें ताकि उसमें कोई गांठ न रहे। अब इसमें थोड़ा पानी मिलाएं और बारीक कटे हुए बादाम, पिस्ता, काजू और इलायची डालकर अच्छे से मिक्स करें। तैयार लस्सी को सर्विंग ग्लास में निकालें और ऊपर से एक चम्मच मक्खन तथा कटे हुए ड्राई फ्रूट्स से गार्निश करें। ठंडी–ठंडी ड्राई फ्रूट लस्सी न सिर्फ गर्मी से राहत दिलाती है, बल्कि शरीर को पोषण भी प्रदान करती है। यह बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को पसंद आने वाली स्वादिष्ट और हेल्दी ड्रिंक है। गर्मियों में मेहमानों के लिए भी यह एक शानदार रिफ्रेशिंग विकल्प साबित हो सकती है।

अब नाश्ते में ट्राई करें हाई–प्रोटीन छोले की चाट

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आप रोजाना एक जैसा नाश्ता खाकर बोर हो गए हैं और कुछ हेल्दी व स्वादिष्ट विकल्प तलाश रहे हैं, तो छोले की चाट आपके लिए बेहतरीन विकल्प हो सकती है। यह न सिर्फ स्वाद में शानदार होती है, बल्कि प्रोटीन और फाइबर से भी भरपूर होती है, जिससे शरीर को लंबे समय तक ऊर्जा मिलती है। छोले की चाट बनाने के लिए सबसे पहले काबुली चनों को रातभर भिगोकर उबाल लें। अब इसमें बारीक कटा प्याज, टमाटर, खीरा, हरी मिर्च और हरा धनिया मिलाएं। स्वाद बढ़ाने के लिए चाट मसाला, भुना जीरा पाउडर, काला नमक और नींबू का रस डालकर अच्छी तरह मिक्स कर लें। कुछ ही मिनटों में तैयार होने वाली यह चाट सुबह के नाश्ते के लिए एक परफेक्ट डिश है। यह पेट को लंबे समय तक भरा रखती है, जिससे बार–बार भूख नहीं लगती। वजन नियंत्रित रखने और फिटनेस बनाए रखने वाले लोगों के लिए भी यह एक बेहतरीन विकल्प माना जाता है। स्वाद और सेहत का यह कॉम्बिनेशन हर उम्र के लोगों को पसंद आएगा।

डाइटिंग और वर्कआउट के बाद भी नहीं घट रहा वजन

यूनिक समय, नई दिल्ली। आजकल बढ़ता वजन लाखों लोगों की सबसे बड़ी समस्या बन चुका है। कई लोग घंटों जिम में पसीना बहाते हैं, डाइटिंग करते हैं और तरह–तरह के उपाय अपनाते हैं, लेकिन फिर भी वजन कम नहीं होता। ऐसे में अक्सर लोग निराश हो जाते हैं। फिटनेस विशेषज्ञों के अनुसार इसके पीछे शरीर की प्राकृतिक कार्यप्रणाली और कैलोरी संतुलन सबसे बड़ा कारण है। कैलोरी का गणित समझना है जरूरी वजन घटाने का सबसे महत्वपूर्ण नियम है कि शरीर जितनी कैलोरी खर्च करता है, उससे कम कैलोरी का सेवन किया जाए। जब शरीर को जरूरत से कम कैलोरी मिलती है तो वह जमा फैट को ऊर्जा के रूप में इस्तेमाल करने लगता है, जिससे वजन कम होता है। वहीं जरूरत से ज्यादा कैलोरी लेने पर शरीर अतिरिक्त ऊर्जा को फैट के रूप में स्टोर कर लेता है और वजन बढ़ने लगता है। हालांकि यह

सुनने में आसान लगता है, लेकिन व्यवहार में इसे अपनाना काफी चुनौतीपूर्ण होता है। रोजाना 2,000 कैलोरी लेने वाला व्यक्ति यदि 500 कैलोरी कम भी करता है तो उसे भूख और ऊर्जा की कमी महसूस हो सकती है। वजन घटाने से ज्यादा आसान है वजन बढ़ाना फिटनेस एक्सपर्ट्स का कहना है कि शरीर स्वाभाविक रूप से ऊर्जा बचाने और स्टोर करने के लिए बना है। हजारों साल पहले भोजन की कमी के दौर में यही प्रक्रिया इंसानों को जीवित रखने में मदद करती थी। यही वजह है कि शरीर अतिरिक्त कैलोरी को आसानी से जमा कर लेता है, लेकिन उसे खर्च करने में अधिक मेहनत करनी पड़ती है। कैलोरी बर्न करना क्यों है मुश्किल 500 से 1000 कैलोरी बर्न करने के लिए नियमित व्यायाम, तेज चलना, दौड़ना या अन्य शारीरिक गतिविधियां करनी पड़ती हैं। इसके लिए समय और मेहनत दोनों की जरूरत

जानिए शरीर क्यों नहीं दे रहा साथ

होती है। दूसरी ओर, घंटों बैठकर काम करना, कम चलना–फिरना और शारीरिक गतिविधियों से दूरी बनाना कैलोरी खर्च को तेजी से कम कर देता है। वजन घटाने के लिए क्या करें अगर आप वजन कम करना चाहते हैं तो सबसे पहले अपनी रोजाना की कैलोरी पर नजर रखें। धीरे–धीरे कैलोरी सेवन कम करें और शारीरिक गतिविधियों को बढ़ाएं। नियमित व्यायाम, पैदल चलना और संतुलित आहार वजन घटाने में मदद कर सकते हैं। साथ ही ऐसे खाद्य पदार्थ चुनें जो पोषण से भरपूर हों लेकिन उनमें कैलोरी कम हो। विशेषज्ञों का मानना है कि वजन घटाना कोई जादू नहीं, बल्कि धैर्य, अनुशासन और सही रणनीति का परिणाम है। लगातार प्रयास करने पर शरीर धीरे–धीरे सकारात्मक बदलाव दिखाने लगता है।

एक बार बनाएं भुने कच्चे आम की चटनी

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मियों में कच्चे आम से बनी चटनी खाने का स्वाद हर किसी को पसंद आता है। आमतौर पर कच्चे आम की चटनी कुछ ही दिनों में खराब होने लगती है, लेकिन अगर इसे भूनकर बनाया जाए, तो इसका स्वाद भी बढ़ जाता है और यह लंबे समय तक सुरक्षित रहती है। खास बात यह है कि इस चटनी को फ्रिज में रखकर करीब 6 महीने तक इस्तेमाल किया जा सकता है। इस चटपटी और खट्टी–मीठी चटनी को बनाने के लिए 4 मीडियम आकार के कच्चे आम लें। इन्हें अच्छी तरह धोकर गैस पर जाली रखकर भून लें। जब आम का छिलका काला पड़ जाए और वह नरम हो जाए, तब उसे ठंडा होने दें। इसके बाद छिलका हटाकर गूदा निकाल लें और मिक्सी में पीसकर पेस्ट तैयार कर लें। अब जीरा, सौंफ, साबुत धनिया, मेथी दाना और काली मिर्च को धीमी आंच पर हल्का भून लें और पीसकर मसाला बना लें। एक पैन में आम का पेस्ट डालें और उसमें आधा कप से थोड़ा ज्यादा चीनी मिलाएं। इसके बाद 2 चम्मच कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर, थोड़ा हल्दी पाउडर, काला नमक, सफेद नमक और तैयार मसाला डालकर अच्छी तरह मिलाएं। जरूरत के अनुसार थोड़ा पानी डालें और मिश्रण को गाढ़ा होने तक पकाएं। जब चटनी अच्छी तरह पक जाए तो इसे ठंडा करके साफ और सूखे कांच के जार में भर लें। फ्रिज में स्टोर करने पर यह कई महीनों तक खराब नहीं होती। समोसा, कचौड़ी, पराठा, पूरी या रोटी के साथ इसका लाजवाब स्वाद खाने का आनंद कई गुना बढ़ा देता है। यह चटनी मेहमानों को भी जरूर पसंद आएगी।

सुविचार

जो खो गया, उससे ज्यादा जो बचा है, उसकी कद्र करो।

कल का पंचांग

तिथि	एकादशी	06:12-08:09 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	स्वाति	01:59-04:29 तक	माह	ज्येष्ठ
सूर्योदय		5:30 AM	चन्द्रोदय	03:29 PM
सूर्यास्त		7:13 PM	चंद्रास्त	02:14 AM
सूर्य राशि		मिथुन राशि	चंद्र	तुला राशि
शुभ मुहूर्त		12:20PM -02:03 PM	ब्रहम् मुहूर्त	03:53-04:41
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		02:04 PM: 03:47 PM	वार	गुरुवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष: कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। नए अवसर मिलेंगे। परिवार का सहयोग रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, खर्च नियंत्रित रखें।

वृषभ: आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। रुका धन मिल सकता है। रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। यात्रा के योग बनेंगे।

मिथुन: महत्वपूर्ण निर्णय सोच–समझकर लें। नौकरी में प्रगति संभव है। मित्रों का सहयोग मिलेगा। मन प्रसन्न रहेगा।

कर्क: परिवार के साथ समय बिताएंगे। व्यापार में लाभ होगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। नए संपर्क फायदेमंद साबित होंगे।

सिंह: आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यों में सफलता मिलेगी। निवेश से लाभ संभव है। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

कन्या: मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। आर्थिक लाभ होगा। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा। तनाव कम होगा।

तुला: नए अवसर मिलेंगे। व्यापार में विस्तार संभव है। परिवार में खुशियां रहेंगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृश्चिक: रुके हुए कार्य पूरे होंगे। आय बढ़ सकती है। संबंध मजबूत होंगे। यात्रा से लाभ मिलेगा।

धनु: करियर में प्रगति होगी। नई जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी। मन उत्साहित रहेगा।

मकर: निवेश के लिए दिन शुभ है। नौकरी में सम्मान मिलेगा। परिवार का सहयोग रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कुंभ: रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। धन लाभ संभव है। आत्मविश्वास बढ़ेगा।

मीन: धार्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी। लाभ मिलेगा।

बिजनेस में नहीं हो रही तरक्की?

दुकान में साउथ–ईस्ट दिशा में लगाएं लाल त्रिकोण

यूनिक समय, मथुरा। अगर आप दिन–रात मेहनत कर रहे हैं लेकिन आपके बिजनेस या दुकान की बिक्री में कोई खास बढ़ोतरी नहीं हो रही, तो यह वास्तु उपाय आपके लिए मददगार हो सकता है। कई व्यापारी मेहनत, प्रोडक्ट क्वालिटी और ग्राहक सेवा में कोई कमी नहीं रखते, फिर भी कारोबार एक सीमित स्तर पर अटका रहता है। ऐसे में इंदौर के वास्तु विशेषज्ञ हिमाचल सिंह ने एक सरल लेकिन प्रभावशाली उपाय बताया है। साउथ–ईस्ट दिशा में एक लाल त्रिकोण लगाना।

वास्तुशास्त्र के अनुसार, साउथ–ईस्ट दिशा को अग्निकोण कहा जाता है, जो ऊर्जा, उत्साह और एक्शन का प्रतीक है। इस दिशा में लाल रंग का त्रिकोण लगाने से स्थान की रुकी हुई ऊर्जा सक्रिय हो जाती है, जिससे बिजनेस में गति और सकारात्मकता आती है।

कैसे करें उपाय: एक चमकदार लाल ग्लेज़ पेपर लें। उसे त्रिकोण आकार में काटें (किनारे फटे न हों)। इसे अपने ऑफिस, दुकान या घर की साउथ–ईस्ट दिशा की दीवार पर चिपका दें। लगाते समय मन शांत और सकारात्मक रखें।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

कब दिखेगा असर: विशेषज्ञों के अनुसार, इस उपाय का असर 72 घंटे के भीतर महसूस होने लगता है। धीरे–धीरे बिक्री और ग्राहक संख्या में वृद्धि होने लगती है।

इस उपाय के लिए किसी महंगे आइटम या बड़े बदलाव की जरूरत नहीं है। यह नकारात्मक ऊर्जा को हटाकर व्यापार में नई ऊर्जा और उन्नति की संभावना बढ़ाता है। अगर आप भी अपने व्यापार में प्रगति देखना चाहते हैं, तो यह उपाय जरूर आज़माएं।

करियर में सफलता के लिए करें इन मंत्रों का जाप

नौकरी और बिजनेस में सकारात्मक ऊर्जा का संचार

यूनिक समय, मथुरा। नौकरीपेशा और बिजनेस करने वाले लोगों को अपने पेशेवर जीवन में कई प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। बढ़ता काम का बोझ, लक्ष्य प्राप्ति की दौड़ और लगातार प्रतिस्पर्धा उनके मानसिक तनाव को बढ़ा देते हैं। ऐसे में मानसिक शांति और आत्मबल को बनाए रखना बेहद जरूरी हो जाता है। इसके लिए प्रतिदिन कुछ विशेष मंत्रों का जाप लाभकारी सिद्ध हो सकता है। ये मंत्र व्यक्ति को भीतर से मजबूत बनाते हैं और उनके करियर को नई दिशा देने में सहायक होते हैं।

ओम मंत्र : प्रोफेशनल्स को दिन की शुरुआत ओम मंत्र के जाप से करनी चाहिए। यह ब्रह्मांडीय ध्वनि मन को शांत करती है, ध्यान में स्थिरता लाती है और मानसिक ऊर्जा को बढ़ाती है।

गणेश मंत्र : ॐ गं गणपतये नमः यह मंत्र कार्यों की शुरुआत में आने वाले अवरोधों को दूर करता है। यदि आप कोई नया प्रोजेक्ट या व्यवसाय शुरू कर रहे हैं, तो इस मंत्र का जाप लाभकारी रहेगा।

ओम नमः शिवाय : भगवान शिव का यह पंचाक्षरी मंत्र मानसिक स्थिरता, निर्णय क्षमता और आंतरिक शक्ति को बढ़ाता है। नियमित जाप नकारात्मक ऊर्जा को दूर करता है।

श्रीकृष्ण या इष्टदेव के नाम का जाप : नाम स्मरण से मन की मलिनता दूर होती है और आत्मबल बढ़ता है। आप अपने इष्टदेव के नाम का जाप करके मानसिक शुद्धि पा सकते हैं।

गायत्री मंत्र : "ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं" यह मंत्र स्मरण शक्ति बढ़ाता है, एकाग्रता देता है और मानसिक तनाव को कम करता है।

बृहस्पति मंत्र- ॐ बृं बृहस्पतये नमः यह मंत्र ज्ञान, नेतृत्व क्षमता और पदोन्नति में सहायता करता है। बृहस्पति ग्रह को मजबूत करने से प्रोफेशनल ग्रोथ संभव होती है।

सरस्वती मंत्र: "ॐ ऐं सरस्वत्यै नमः" या "ॐ ह्रीं वद वद वाग्वादिनी स्वाहा" का जाप वाणी, तकनीकी क्षमता और कम्युनिकेशन स्किल को बेहतर बनाता है।

गुरुवार और रविवार को खिचड़ी खाने से बचना चाहिए

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय परंपराओं और धार्मिक मान्यताओं में सप्ताह के प्रत्येक दिन का विशेष महत्व बताया गया है। इन्हीं मान्यताओं के अनुसार गुरुवार और रविवार को खिचड़ी खाने से परहेज करने की सलाह दी जाती है। माना जाता है कि इन दिनों खिचड़ी का सेवन ग्रहों के प्रभाव से जुड़ा हुआ है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार गुरुवार का दिन देवगुरु बृहस्पति और भगवान विष्णु को समर्पित होता है। इस दिन बृहस्पति ग्रह को मजबूत करने के लिए पूजा–पाठ और व्रत किए जाते हैं। मान्यता है कि गुरुवार को मूंग दाल या कुछ विशेष प्रकार की खिचड़ी खाने से बृहस्पति का शुभ प्रभाव कमजोर हो सकता है। वहीं काली दाल की खिचड़ी को भी इस दिन अशुभ माना गया है।

इसी तरह रविवार सूर्य देव का दिन माना जाता है। परंपरा के अनुसार खिचड़ी में प्रयुक्त काली दाल का संबंध शनि ग्रह से माना जाता है। चूंकि सूर्य और शनि को ज्योतिष में परस्पर विरोधी ग्रह माना गया है, इसलिए रविवार को खिचड़ी खाने से बचने की सलाह दी जाती है। हालांकि ये मान्यताएं धार्मिक आस्था और परंपराओं पर आधारित हैं। वैज्ञानिक दृष्टि से खिचड़ी एक पौष्टिक और संतुलित आहार मानी जाती है। इसलिए इन नियमों का पालन करना या न करना व्यक्ति की श्रद्धा और विश्वास पर निर्भर करता है।

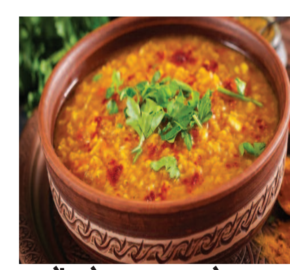

ग्रहों के प्रभाव को माना संबंध

ऐसे पैरों वाली महिलाएं मानी जाती हैं साक्षात लक्ष्मी

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय संस्कृति में नारी को देवी का रूप माना गया है। विशेषकर विवाह के बाद महिलाएं गृह लक्ष्मी के रूप में पूजी जाती हैं। ऐसा माना जाता है कि जिस घर में महिलाओं का सम्मान होता है, वहां लक्ष्मी का वास बना रहता है। लेकिन सामुद्रिक शास्त्र और हस्तरेखा विज्ञान में महिलाओं की कुछ शारीरिक विशेषताओं के आधार पर उनके भाग्य, स्वभाव और वैवाहिक जीवन से जुड़ी कई बातें बताई गई हैं। इनमें सबसे खास है महिलाओं के पैरों की बनावट, जो उनके व्यक्तित्व और जीवन की दिशा को दर्शाते हैं।

हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार जिन महिलाओं के पैरों के तलवे मुलायम और सम होते हैं, उनका जीवन सुख और समृद्धि से भरपूर होता है। ये

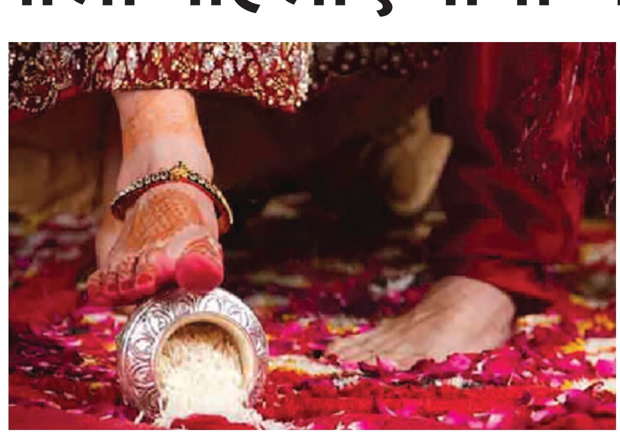

महिलाएं बहुत भावनात्मक और सहनशील होती हैं। परिवार के लिए समर्पित रहना, दूसरों की मदद करना और रिश्तों को सहेज कर रखना इनका स्वभाव होता है। इन्हें कला, संगीत, नृत्य और रचनात्मक गतिविधियों में भी रुचि होती है। ऐसी महिलाएं अपने परिवार के लिए सौभाग्य लेकर आती हैं और जहां जाती हैं वहां सुख–शांति का वातावरण बना देती हैं।

अगर किसी महिला की पैरों की उंगलियां आपस में जुड़ी हुई हों और कोमल हों, तो उसे भी विशेष सौभाग्यशाली माना गया है। ऐसी महिलाएं भावनात्मक रूप से बहुत संवेदनशील होती हैं और परिवार के प्रति पूरी तरह समर्पित रहती हैं। इन्हें ससुराल में साक्षात लक्ष्मी के रूप में देखा जाता है। इनकी मौजूदगी से घर में हमेशा धन–धान्य और प्रसन्नता बनी रहती है। जिन महिलाओं के पैरों का ऊपरी भाग चिकना, कोमल और चमकदार होता है, वे अपने जीवनसाथी के लिए भाग्य लेकर आती हैं। इनका जीवन विवाह के बाद और भी समृद्ध होता है। इनकी उपस्थिति से घर का वातावरण शांत और सौहार्दपूर्ण बना रहता है। इन्हें स्वाभाविक रूप से सम्मान और आकर्षण प्राप्त होता है। सामुद्रिक शास्त्र में यह माना गया है कि यदि किसी महिला के पैरों में शंख, कमल, ध्वजा, त्रिशूल, मछली जैसे शुभ चिन्ह मौजूद हों, तो वह अत्यंत सौभाग्यशाली होती है। ऐसी महिलाएं न केवल स्वयं धन–समृद्धि की स्वामिनी होती हैं, बल्कि उन्हें धनवान और प्रतिष्ठित जीवनसाथी भी प्राप्त होता है। इनका वैवाहिक जीवन सुखमय और संतुलित होता है। हस्तरेखा और सामुद्रिक शास्त्र केवल संकेत देते हैं, भाग्य का निर्धारण पूर्ण रूप से आचरण, कर्म और सोच पर निर्भर करता है। फिर भी यह मान्यता वर्षों से समाज में चली आ रही है कि महिलाओं के पैरों की कुछ विशेषताएं उनके भविष्य, वैवाहिक जीवन और समृद्धि के संकेत देती हैं। यदि आपके पैरों में उपरोक्त विशेषताएं हैं, तो संभव है आप अपने परिवार के लिए साक्षात लक्ष्मी स्वरूप हों।

सम्पादकीय

प्यार, लालच और छल ने छीनी एक जिंदगी

पुणे में सामने आया केतन अग्रवाल हत्याकांड केवल एक आपराधिक घटना नहीं, बल्कि आधुनिक रिश्तों में बढ़ते अविश्वास, भावनात्मक अस्थिरता और नैतिक पतन का चिंताजनक उदाहरण है। जिस युवती के साथ कुछ महीनों बाद विवाह होना था, उसी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर मंगेतर की हत्या की साजिश रच डाली। यह घटना इसलिए भी चौंकाती है क्योंकि इसमें अपराध को दुर्घटना का रूप देने की पूरी कोशिश की गई।

पवन गौतम
संपादक

बताया जा रहा है कि केतन अग्रवाल और सिया गोयल की शादी नवंबर में होने वाली थी। विवाह समारोह की तैयारियां जोरों पर थीं और करोड़ों रुपये खर्च कर शाही आयोजन की योजना बनाई गई थी। लेकिन दूसरी ओर सिया किसी और के साथ संबंध में थी और यह विवाह नहीं चाहती थी। सवाल यह है कि यदि वह शादी नहीं करना चाहती थी, तो सच बताने का रास्ता क्यों नहीं चुना गया? आखिर ऐसी कौन–सी मानसिकता विकसित हो रही है, जिसमें रिश्ते तोड़े नहीं जाते, बल्कि लोगों को रास्ते से हटाने की सोच पैदा हो जाती है?

स्कैन करें
संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

इस मामले ने एक और महत्वपूर्ण तथ्य उजागर किया है। अपराध चाहे कितनी भी चतुराई से किया जाए, डिजिटल युग में सच्चाई छिपाना कठिन होता जा रहा है। सोशल मीडिया चैट, कॉल रिकॉर्ड और इंटरनेट गतिविधियों ने इस पूरे घटनाक्रम की परतें खोल दीं। हजारों कॉल और सैकड़ों घंटों की बातचीत ने जांच एजेंसियों को उस दिशा में पहुंचाया, जहां से हत्या की साजिश का खुलासा हुआ।

यह घटना समाज के लिए भी चेतावनी है। आज रिश्तों में संवाद की कमी, त्वरित निर्णय और भावनात्मक अपरिपक्वता गंभीर समस्याएं बनती जा रही हैं। कई युवा कठिन परिस्थितियों का समाधान बातचीत या कानूनी रास्तों से निकालने के बजाय खतरनाक कदम उठा रहे हैं। इसका परिणाम केवल एक व्यक्ति की मौत नहीं, बल्कि कई परिवारों के जीवनभर के दुख के रूप में सामने आता है।

जरूरत इस बात की है कि परिवारों और समाज में रिश्तों को लेकर खुलापन, संवाद और जिम्मेदारी की भावना बढ़े। असहमति, प्रेम या विवाह से जुड़े विवादों का समाधान अपराध नहीं हो सकता। पुणे की यह घटना याद दिलाती है कि जब रिश्तों में ईमानदारी की जगह छल और स्वार्थ ले लेते हैं, तब त्रासदी जन्म लेती है। ऐसी घटनाएं केवल कानून का नहीं, समाज की बदलती सोच का भी गंभीर सवाल हैं।

नजरिया

खाड़ी की बदलती राजनीति और भारत का बढ़ता सामरिक प्रभाव

बोध प्रकाश सगुणी

पश्चिम एशिया की राजनीति और सुरक्षा व्यवस्था लंबे समय से वैश्विक शक्तियों, ऊर्जा हितों और क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा के प्रभाव में रही है। बीते कुछ वर्षों में इस क्षेत्र के देशों ने अपनी विदेश और रक्षा नीतियों में उल्लेखनीय बदलाव किए हैं। इसी क्रम में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) द्वारा भारत की ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल और आकाशतीर वायु रक्षा प्रणाली में दिखाई गई रुचि केवल एक संभावित रक्षा सौदे की कहानी नहीं है, बल्कि यह बदलते सामरिक समीकरणों और भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका का संकेत भी है।

भारत और यूएई के संबंध पिछले एक दशक में नई ऊंचाइयों तक पहुंचे हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश, ऊर्जा, तकनीक और सुरक्षा सहयोग लगातार मजबूत हुआ है। यदि यूएई वास्तव में भारतीय रक्षा प्रणालियों की खरीद की दिशा में आगे बढ़ता है, तो यह भारत के रक्षा निर्यात क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि होगी। साथ ही यह भी स्पष्ट करेगा कि भारत अब केवल रक्षा उपकरणों का आयातक नहीं, बल्कि विश्वसनीय रक्षा तकनीक उपलब्ध कराने वाला देश बन चुका है।

ब्रह्मोस मिसाइल आज दुनिया की सबसे प्रभावी सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों में गिनी जाती है। इसकी गति, सटीकता और बहुआयामी उपयोग क्षमता ने इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आकर्षण का केंद्र बनाया है। इसी प्रकार आकाशतीर वायु रक्षा प्रणाली आधुनिक युद्ध की चुनौतियों को ध्यान में रखकर विकसित की गई स्वदेशी तकनीक है। ड्रोन, मिसाइल और हवाई खतरों के बढ़ते दौर में ऐसी प्रणालियों का महत्व लगातार बढ़ रहा है। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम को केवल हथियारों के व्यापार के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। इसके पीछे क्षेत्रीय राजनीति की जटिल परतें भी मौजूद हैं। सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से सुरक्षा और सैन्य सहयोग के संबंध रहे हैं। पाकिस्तानी सेना ने कई अवसरों पर खाड़ी देशों के सुरक्षा ढांचे में भूमिका निभाई है। लेकिन बदलते वैश्विक परिदृश्य में खाड़ी देश अब अपने रणनीतिक विकल्पों का विस्तार कर रहे हैं। वे किसी एक देश या शक्ति केंद्र पर निर्भर रहने के बजाय बहुआयामी साझेदारियां विकसित करना चाहते हैं। यूएई का भारत के साथ बढ़ता सहयोग इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा माना जा सकता है। अबू धाबी ने पिछले वर्षों में यह स्पष्ट किया है कि वह आर्थिक विकास, तकनीकी नवाचार और सुरक्षा सहयोग के क्षेत्र में विविध साझेदारों के साथ काम करना चाहता है। भारत इसके लिए स्वाभाविक विकल्प बनकर उभरा है। भारत न केवल दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है, बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में उसकी सामरिक स्थिति भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत की विदेश नीति में भी पिछले वर्षों में उल्लेखनीय बदलाव देखने को मिला है। नई दिल्ली ने पश्चिम एशिया के लगभग सभी प्रमुख देशों के साथ संतुलित और व्यावहारिक संबंध विकसित किए हैं। भारत के इजराइल, सऊदी अरब, यूएई, कतर और ईरान के साथ समान रूप से सक्रिय संबंध हैं। यह संतुलन भारत को क्षेत्रीय विवादों से दूर रखते हुए अपने राष्ट्रीय हितों को आगे बढ़ाने का अवसर देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नहयान के बीच विकसित हुए व्यक्तिगत और राजनीतिक संबंधों ने भी दोनों देशों की साझेदारी को नई दिशा दी है। आर्थिक सहयोग समझौतों से लेकर आतंकवाद विरोधी प्रयासों और समुद्री सुरक्षा तक, दोनों देशों ने कई क्षेत्रों में एक–दूसरे के साथ सहयोग बढ़ाया है। यही कारण है कि आज यूएई भारत को केवल एक व्यापारिक भागीदार नहीं, बल्कि दीर्घकालिक रणनीतिक सहयोगी के रूप में देख रहा है। दूसरी ओर, पाकिस्तान के लिए यह स्थिति चिंता का विषय हो सकती है। लंबे समय

तक खाड़ी देशों में पाकिस्तान का प्रभाव मुख्य रूप से सैन्य सहयोग, धार्मिक निकटता और श्रमिक समुदाय के आधार पर बना रहा। लेकिन वर्तमान समय में क्षेत्रीय देशों की प्राथमिकताएं बदल रही हैं। वे आर्थिक स्थिरता, तकनीकी क्षमता, निवेश और विश्वसनीय साझेदारी को अधिक महत्व दे रहे हैं। भारत इन सभी क्षेत्रों में तेजी से अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। हालांकि यह कहना उचित नहीं होगा कि यूएई और पाकिस्तान के संबंध कमजोर हो रहे हैं या पूरी तरह बदल गए हैं। दोनों देशों के बीच आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक संबंध अब भी मौजूद हैं। इसी प्रकार सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच भी सहयोग जारी है। इसलिए वर्तमान परिस्थितियों को किसी नए गुटीय संघर्ष के रूप में देखने के बजाय क्षेत्रीय देशों की बहुस्तरीय कूटनीति के रूप में समझना अधिक उचित होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि खाड़ी क्षेत्र के देशों की सबसे बड़ी चिंता आज सुरक्षा और स्थिरता है। ईरान–इजराइल तनाव, यमन संकट, समुद्री मार्गों की सुरक्षा और ड्रोन हमलों जैसी चुनौतियों ने रक्षा क्षमताओं को अत्यंत महत्वपूर्ण बना दिया है। ऐसे में जो देश उन्नत, भरोसेमंद और अपेक्षाकृत किफायती रक्षा तकनीक उपलब्ध करा सकता है, वह स्वाभाविक रूप से आकर्षण का केंद्र बनेगा। भारत इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत के रक्षा निर्यात में हाल के वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। स्वदेशी रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देने, निजी क्षेत्र की भागीदारी और तकनीकी नवाचार ने भारत को वैश्विक रक्षा बाजार में नई पहचान दिलाई है। फिलीपींस को ब्रह्मोस मिसाइल की आपूर्ति और अन्य देशों की बढ़ती रुचि इस परिवर्तन का प्रमाण है। यदि यूएई के साथ संभावित समझौता आगे बढ़ता है, तो यह भारतीय रक्षा उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो सकता है। इसके साथ ही भारत को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि रक्षा निर्यात केवल आर्थिक लाभ तक सीमित न रहे, बल्कि व्यापक रणनीतिक हितों के अनुरूप हो। रक्षा सहयोग देशों के बीच विश्वास और दीर्घकालिक साझेदारी को मजबूत करता है। इसलिए भारत के लिए यह अवसर केवल हथियार बेचने का नहीं, बल्कि वैश्विक सुरक्षा ढांचे में अपनी भूमिका को और प्रभावशाली बनाने का भी है।

अंततः, यूएई और भारत के बीच संभावित रक्षा सहयोग यह दर्शाता है कि वैश्विक शक्ति संतुलन में भारत का महत्व लगातार बढ़ रहा है। पश्चिम एशिया के देश अब भारत को एक जिम्मेदार, स्थिर और सक्षम साझेदार के रूप में देख रहे हैं। यह भारतीय कूटनीति, रक्षा क्षमता और आर्थिक विकास की संयुक्त सफलता का परिणाम है। आने वाले वर्षों में यदि यह प्रवृत्ति जारी रहती है, तो भारत न केवल क्षेत्रीय बल्कि वैश्विक रणनीतिक परिदृश्य में भी और अधिक प्रभावशाली भूमिका निभाता दिखाई देगा।

विचार विण्डो

मजदूरों की सुरक्षा नहीं, तो विकास का दावा अधूरा

राम प्रकाश शर्मा

भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। विकसित भारत का सपना दिखाया जा रहा है, नए उद्योग स्थापित हो रहे हैं और उत्पादन क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। लेकिन इस चमकदार तस्वीर का एक ऐसा पक्ष भी है, जिस पर अक्सर पर्याप्त चर्चा नहीं होती। यह पक्ष है कारखानों, निर्माण स्थलों और औद्योगिक इकाइयों में काम करने वाले लाखों मजदूरों की सुरक्षा का। दुर्भाग्य से आज भी देश के अनेक कारखाने कामगारों के लिए रोजगार का नहीं, बल्कि जोखिम का केंद्र बने हुए हैं।

तमिलनाडु में अमोनिया गैस रिसाव से हुई श्रमिकों की मौत, विशाखापत्तनम के इस्पात संयंत्र में विस्फोट, छत्तीसगढ़ के पावर प्लांट हादसे और देशभर में पटाखा फैक्ट्रियों में लगातार होने वाले धमाके इस कड़वी सच्चाई को उजागर करते हैं। हर हादसे के बाद जांच, मुआवजा और कार्रवाई के आश्वासन दिए जाते हैं, लेकिन कुछ समय बाद मामला ठंडे बस्ते में चला जाता है। फिर किसी दूसरे शहर में एक नया हादसा सामने आ जाता है। ऐसा लगता है कि हमने दुर्घटनाओं से सबक लेना ही छोड़ दिया है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि अधिकांश औद्योगिक हादसे अचानक नहीं होते। इनके पीछे लंबे समय से चली आ रही लापरवाही, खराब रखरखाव, पुराने उपकरण, अपर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी की कमी जिम्मेदार होती है। कई फैक्ट्रियों में आज भी अग्निशमन उपकरण या तो पर्याप्त नहीं होते या फिर समय पर उनकी जांच नहीं होती। खतरनाक रसायनों का भंडारण नियमों के अनुरूप नहीं किया जाता।

आपातकालीन निकास मार्ग अवरुद्ध रहते हैं और श्रमिकों को संभावित खतरों की पर्याप्त जानकारी भी नहीं दी जाती।

देश की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि भारत की लगभग 90 प्रतिशत श्रम शक्ति अनौपचारिक क्षेत्र में काम करती है। यहां सुरक्षा मानकों की स्थिति और भी खराब है। छोटे कारखानों, निर्माण स्थलों और वर्कशॉपों में मजदूर बिना हेलमेट, दस्ताने, सुरक्षा चश्मे या अन्य आवश्यक उपकरणों के काम करने को मजबूर हैं। कई जगह तो श्रमिकों को यह भी नहीं बताया जाता कि वे किस प्रकार के जोखिम वाले वातावरण में कार्य कर रहे हैं।

स्थिति को और गंभीर बनाता है दुर्घटनाओं की रिपोर्टिंग का अभाव। विशेषज्ञों का मानना है कि वास्तविक हादसों की संख्या सरकारी आंकड़ों से कहीं अधिक होती है। कई मामलों

में दुर्घटनाओं को दर्ज ही नहीं किया जाता। कभी नियोक्ता की ओर से दबाव होता है, तो कभी प्रशासनिक स्तर पर मामले को शांत करने का प्रयास किया जाता है। परिणामस्वरूप न तो सही आंकड़े सामने आते हैं और न ही प्रभावी सुधारात्मक कदम उठाए जाते हैं।

औद्योगिक सुरक्षा केवल मानवीय मुद्दा नहीं है, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। किसी दुर्घटना में मजदूर की मौत या गंभीर चोट केवल एक व्यक्ति का नुकसान नहीं होती। उसका पूरा परिवार संकट में पड़ जाता है। बच्चों की शिक्षा प्रभावित होती है, परिवार की आय रुक जाती है और कई बार वर्षों तक आर्थिक कठिनाइयां बनी रहती हैं। दूसरी ओर, कारखानों को भी उत्पादन रुकने, कानूनी कार्रवाई और प्रतिष्ठा को नुकसान जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

दुनिया के कई देशों ने इस समस्या से सबक लेकर अपनी औद्योगिक सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाया है। यूरोप और अन्य विकसित देशों में किसी बड़े हादसे के बाद सुरक्षा नियमों की व्यापक समीक्षा होती है। जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की जाती है और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए नई व्यवस्थाएं लागू की जाती हैं। यही कारण है कि वहां औद्योगिक दुर्घटनाओं की संख्या लगातार कम हुई है।

भारत को भी इसी दिशा में गंभीर प्रयास करने होंगे। सबसे पहले निरीक्षण प्रणाली को प्रभावी बनाना आवश्यक है। सुरक्षा मानकों का पालन केवल कागजों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। आधुनिक तकनीकों जैसे सीसीटीवी निगरानी, सेंसर आधारित चेतावनी प्रणाली और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) का उपयोग बढ़ाया जाना चाहिए ताकि संभावित खतरे का समय रहते पता लगाया जा सके।

इसके साथ ही श्रमिकों के प्रशिक्षण को प्राथमिकता देनी होगी। किसी भी उद्योग में नया कर्मचारी काम शुरू करने से पहले सुरक्षा प्रशिक्षण प्राप्त करे। नियमित मॉक ड्रिल आयोजित हों और आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की तैयारी सुनिश्चित की जाए। सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता और उनका उपयोग अनिवार्य बनाया जाए।

सरकार की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्यदशा संहिता को प्रभावी ढंग से लागू करना होगा। नियमों के उल्लंघन पर केवल जुर्माना पर्याप्त नहीं है। गंभीर लापरवाही के मामलों में कठोर दंड का प्रावधान होना चाहिए ताकि सुरक्षा नियमों की अनदेखी करने वालों को स्पष्ट संदेश मिले।

उद्योगपतियों को भी यह समझना होगा कि सुरक्षा पर किया गया खर्च कोई अतिरिक्त बोझ नहीं, बल्कि निवेश है। सुरक्षित कार्यस्थल से उत्पादकता बढ़ती है, कर्मचारियों का मनोबल मजबूत होता है और उद्योग की प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होती है। मुनाफा महत्वपूर्ण है, लेकिन उसे मानव जीवन की कीमत पर हासिल नहीं किया जा सकता। विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब विकास की प्रक्रिया में श्रमिकों की सुरक्षा और सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। किसी भी राष्ट्र की प्रगति केवल ऊंची इमारतों, बड़े कारखानों और बढ़ते निवेश से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से भी तय होती है कि वह अपने श्रमिकों के जीवन को कितना सुरक्षित और सम्मानजनक बना पाया है। यदि मजदूर सुरक्षित नहीं हैं, तो विकास का दावा भी अधूरा है।

इतिहास रचकर भी वैभव नहीं तोड़ पाए पाकिस्तानी रिकॉर्ड

सचिन का रिकॉर्ड तोड़ेंगे वैभव

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट का नया सितारा वैभव सूर्यवंशी एक और बड़ा इतिहास रचने के बेहद करीब है। आयरलैंड दौरे पर टीम इंडिया की जर्सी पहनते ही 15 वर्षीय बल्लेबाज भारत की ओर से इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन सकते हैं। क्रिकेट प्रेमियों की नजरें अब इस युवा प्रतिभा पर टिकी हुई हैं, जिसने कम उम्र में ही अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है।

भारत का आयरलैंड दौरा 26 जून से शुरू हो रहा है, जहां दोनों टीमों के बीच दो टी20 मुकाबले खेले जाएंगे। अगर वैभव को पहले ही मैच में प्लेइंग इलेवन में मौका मिलता है, तो वह महज 15 साल और 91 दिन की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करेंगे। इसके साथ ही वह महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का भारतीय रिकॉर्ड तोड़ देंगे। सचिन ने 1989 में पाकिस्तान के खिलाफ 16 साल 238 दिन की उम्र में अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था। हालांकि, भारतीय रिकॉर्ड अपने नाम करने के बावजूद वैभव दुनिया के सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाले फुल मेंबर देश के खिलाड़ी नहीं बन पाएंगे। यह खास रिकॉर्ड अब भी पाकिस्तान के हसन रजा के नाम दर्ज है। हसन रजा ने 1996 में जिम्बाब्वे के खिलाफ केवल 14 साल और 277 दिन की उम्र में टेस्ट क्रिकेट खेलकर इतिहास रच दिया था। खास बात यह है कि फुल मेंबर देशों के क्रिकेटरों में आज तक कोई भी खिलाड़ी 15 साल से कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेल पाया है।

वैभव सूर्यवंशी का हालिया प्रदर्शन भी उन्हें चर्चा के केंद्र में बनाए हुए है। आईपीएल 2026 में उन्होंने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 16 मैचों में 776 रन बनाए और ऑरेंज कैप पर कब्जा जमाया। उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी ने क्रिकेट विशेषज्ञों और प्रशंसकों को हैरान कर दिया था।

प्राइम वीडियो पर आते ही छाई गिन्नी वेड्स सनी 2

थिएटर में नहीं चला जादू

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्राइम बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह असफल रही फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी 2' अब ओटीटी पर नया इतिहास लिखती नजर आ रही है। अविनाश तिवारी और मेधा शंकर स्टारर यह रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म सिनेमाघरों में दर्शकों को आकर्षित करने में नाकाम रही थी, लेकिन अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होते ही इसकी किस्मत बदल गई है। फिल्म इस समय प्लेटफॉर्म की टॉप ट्रेंडिंग फिल्मों में शामिल है और दर्शकों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रही है। 24 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई 'गिन्नी वेड्स सनी 2' से मेकर्स को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी। करीब 16 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर में केवल 1.85 करोड़ रुपये का कारोबार किया। भारतीय बॉक्स ऑफिस पर इसकी नेट कमाई लगभग 1.58 करोड़ रुपये रही, जिसके चलते इसे साल की बड़ी फ्लॉप फिल्मों में गिना गया। हालांकि, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर पहुंचने के बाद फिल्म को नया जीवन मिल गया है। अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होते ही 'गिन्नी वेड्स सनी 2' दर्शकों का ध्यान खींचने में सफल रही और टॉप ट्रेंडिंग लिस्ट में अपनी जगह बना ली। दिलचस्प बात यह है कि थिएटर्स में जिसे दर्शक नहीं मिले, वही फिल्म अब घर बैठे दर्शकों का भरपूर मनोरंजन कर रही है। 'गिन्नी वेड्स सनी 2' का ओटीटी पर मिल रहा शानदार रिस्पॉन्स एक बार फिर साबित करता है कि हर फिल्म की असली सफलता सिर्फ बॉक्स ऑफिस से तय नहीं होती। कई बार डिजिटल प्लेटफॉर्म दर्शकों तक पहुंचने का ऐसा रास्ता बन जाते हैं।

94वें जन्मदिन पर क्रिकेट जगत ने खोया सितारा

मंगेतर को खोकर भी मैदान में उतरा क्रिकेट योद्धा

यूनिक समय, नई दिल्ली। क्रिकेट जगत ने एक ऐसे दिग्गज को खो दिया, जिसकी पहचान सिर्फ विकेटों या रिकॉर्ड्स से नहीं, बल्कि अद्भुत साहस और जज्बे से थी। न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज बॉब ब्लेयर का उनके 94वें जन्मदिन पर इंग्लैंड में निधन हो गया। उनके जाने से क्रिकेट जगत में शोक की लहर है और न्यूजीलैंड क्रिकेट ने भी उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी है। 1952 से 1964 के बीच न्यूजीलैंड के लिए 19 टेस्ट मैच खेलने वाले ब्लेयर ने 43 विकेट हासिल किए। वहीं फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उन्होंने 59 मैचों में 330 विकेट लेकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। 1956-57 का सीजन उनके करियर का सबसे शानदार दौर रहा, जब उन्होंने केवल 9 की औसत से 46 विकेट चटकाए और दो बार एक पारी में 9 विकेट लेने का कारनामा किया।

हालांकि, बॉब ब्लेयर को क्रिकेट इतिहास में सबसे ज्यादा एक भावुक और प्रेरणादायक घटना के लिए याद किया जाता है। साल 1953 में न्यूजीलैंड टीम साउथ अफ्रीका दौरे पर थी। एलिस पार्क में टेस्ट मैच के दौरान ब्लेयर को यह दुखद खबर मिली कि उनकी मंगेतर नेरिसा लव टांगीवाई रेल हादसे में जान गंवा चुकी हैं। इस भयावह दुर्घटना में 151 लोगों की मौत हुई थी। लेकिन जब टीम संकट में फंसी और आखिरी विकेट बाकी था, तब उन्होंने मैदान पर लौटने का फैसला किया। उनका यह कदम खेल भावना, कर्तव्यनिष्ठा और मानसिक मजबूती का ऐसा उदाहरण बन गया, जिसे क्रिकेट इतिहास कभी नहीं भूल पाएगा।

'धर्मन' बनकर लौटे थलाइवर, डॉक्टर अवतार ने बढ़ाया फैंस का क्रेज

यूनिक समय, नई दिल्ली। साउथ सिनेमा के सुपरस्टार रजनीकांत एक बार फिर अपने दमदार अंदाज से दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार हैं। उनकी बहुप्रतीक्षित 173वीं फिल्म का आधिकारिक टाइटल 'धर्मन' घोषित कर दिया गया है। लंबे समय से 'थलाइवर 173' के नाम से चर्चा में रही इस फिल्म का नाम सामने आते ही सोशल मीडिया पर फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। फिल्म के टाइटल के साथ रजनीकांत का फर्स्ट-लुक पोस्टर भी रिलीज किया गया है, जो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है।

इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट का निर्माण कमल हासन की प्रोडक्शन कंपनी राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल कर रही है, जबकि निर्देशन की जिम्मेदारी अश्वथ मारिमुथु ने संभाली है। फिल्म के टाइटल पोस्टर के साथ मेकर्स ने 'धर्मे वेल्लम!' टैगलाइन भी जारी की है, जिसने दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। टाइटल और टैगलाइन दोनों ही इस बात का संकेत देते हैं कि फिल्म में न्याय, संघर्ष और रोमांच का जबरदस्त मिश्रण देखने को मिल सकता है।फिल्म के फर्स्ट-लुक पोस्टर में रजनीकांत का बिल्कुल नया और अनोखा अवतार देखने को मिला है। पोस्टर में वह एक डॉक्टर के रूप में नजर आ रहे हैं। उन्होंने नीले रंग की सर्जिकल ड्रेस पहन रखी है और अपने सिग्नेचर स्टाइल के साथ काले चश्मे लगाए हुए हैं। उनके सफेद बाल और आत्मविश्वास से भरी मुस्कान लुक को और प्रभावशाली बनाती है। हालांकि पोस्टर की सबसे दिलचस्प बात उनके हाथ में दिखाई दे रहा खून से सना सर्जिकल स्कैलपेल है।इसके अलावा ऑपरेशन थिएटर का माहौल, टूटे हुए कांच, बिखरे मेडिकल उपकरण और पास में पड़ा शव पोस्टर को रहस्य और रोमांच से भर देता है। यही वजह है कि फिल्म की कहानी को लेकर सोशल मीडिया पर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

'धर्मन' सिर्फ रजनीकांत के स्टारडम की वजह से ही नहीं, बल्कि अपनी मजबूत क्रिएटिव टीम के कारण भी चर्चा में है। फिल्म का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर तैयार कर रहे हैं, जिन्होंने पहले भी रजनीकांत की कई फिल्मों में यादगार और सुपरहिट गाने दिए हैं। अनिरुद्ध का संगीत और रजनीकांत की स्क्रीन प्रेजेंस का मेल दर्शकों के लिए एक बार फिर खास अनुभव साबित हो सकता है। वर्कफ्रंट की बात करें तो रजनीकांत की पिछली फिल्म 'कुली' ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार सफलता हासिल की थी। अब फैंस की निगाहें 'धर्मन' और 'जेलर 2' पर टिकी हुई हैं। दमदार टाइटल, रहस्यमयी फर्स्ट लुक और शानदार टीम को देखते हुए माना जा रहा है कि 'धर्मन' आने वाले समय की सबसे बड़ी तमिल फिल्मों में से एक साबित हो सकती है।

राष्ट्रपति भवन में गूंजा रोहित शर्मा का नाम

पद्मश्री लेते रोहित को देख भावुक हुईं रितिका

कैमरे में कैद हुआ रितिका का रिएक्शन

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज और पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के लिए राष्ट्रपति भवन में आयोजित पद्मश्री सम्मान समारोह बेहद खास रहा। हालांकि इस ऐतिहासिक पल में सिर्फ रोहित ही नहीं, बल्कि उनकी पत्नी रितिका सजदेह भी सुर्खियों में आ गईं। समारोह के दौरान रितिका का भावुक और गर्व से भरा रिएक्शन सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, पद्म श्री सम्मान के लिए पुकारा गया, पूरे हॉल में तालियों की गूंज सुनाई दी। इसी दौरान दर्शक दीर्घा में बैठीं रितिका सजदेह के चेहरे पर खुशी और गर्व साफ नजर आया। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है और पूरे उत्साह के साथ तालियां बजाने लगीं। जब रोहित सम्मान ग्रहण करने के लिए मंच की ओर बढ़े, तब वह अपनी सीट से खड़ी हो गईं और गर्व भरी निगाहों से उन्हें देखती रहीं। इस खास मौके पर रोहित शर्मा ब्लैक सूट में बेहद शानदार और गरिमामयी अंदाज में नजर आए। मंच पर पहुंचने से पहले उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिवादन किया और फिर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से पद्मश्री सम्मान प्राप्त किया। बन गया। क्रिकेट प्रेमी । सजदेह हमेशा रोहित शर्मा की सबसे बड़ी ताकत रही हैं। करियर के उतार-चढ़ाव से लेकर बड़ी उपलब्धियों तक, रितिका हर मौके पर उनके साथ खड़ी नजर आई हैं। यही वजह है कि पद्मश्री सम्मान के दौरान उनका भावुक रिएक्शन फैंस के दिलों को छू गया। सोशल मीडिया पर लोग इस खूबसूरत पल की जमकर तारीफ कर रहे हैं और इसे रोहित शर्मा के शानदार क्रिकेट सफर की एक यादगार तस्वीर बता रहे हैं।

पद्म सम्मान के बाद छलका अलका का दर्द

यूनिक समय, नई दिल्ली। पद्म भूषण सम्मान मिलने के बाद मशहूर गायिका अल्का याग्निक ने अपनी सेहत को लेकर भावुक खुलासा किया है। राष्ट्रपति भवन में सम्मान ग्रहण करने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर एक इमोशनल पोस्ट साझा करते हुए बताया कि पिछले दो वर्षों से वह गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही हैं और इसी वजह से लाइमलाइट से दूर थीं।

अलका ने लिखा कि इस कठिन दौर में फैंस की दुआओं, प्यार और समर्थन ने उन्हें हिम्मत दी।

उन्होंने कहा कि देश के प्रतिष्ठित नागरिक सम्मानों में से एक पद्म भूषण प्राप्त करना उनके लिए बेहद भावुक और गर्व का क्षण है। सिंगर ने इस सम्मान को अपने श्रोताओं, परिवार और उन सभी लोगों को समर्पित किया, जिन्होंने उनके संगीत सफर में उनका साथ दिया।

अलका याग्निक ने बताया कि वह धीरे-धीरे स्वस्थ होने की ओर बढ़ रही हैं और फिर से सामान्य जीवन में लौटने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्म, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत सरकार का आभार भी व्यक्त किया।

पाकिस्तान का खेल खत्म! टी20 विश्व कप से बाहर हुईं चार टीमें

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 में रोमांच अपने चरम पर है, लेकिन इसी बीच चार टीमों का सेमीफाइनल का सपना टूट चुका है। सबसे बड़ा झटका पाकिस्तान महिला टीम को लगा है, जो लगातार चार मैच हारने के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो गई है। पाकिस्तान अब तक जीत का खाता भी नहीं खोल सकी है और अंक तालिका में सबसे नीचे बनी हुई है। ग्रुप ए में पाकिस्तान के साथ नीदरलैंड्स की टीम भी सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो चुकी है। दोनों टीमों के खराब प्रदर्शन ने उनके अभियान पर समय से पहले ही विराम लगा दिया। हालांकि ये टीमें अपने बाकी लीग मुकाबले जरूर खेलेंगी, लेकिन अब उनका सफर अंतिम चार तक नहीं पहुंच पाएगा।

दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल की ओर मजबूत कदम बढ़ा दिए हैं। टीम ने अपने चारों मुकाबले जीतकर 8 अंक हासिल किए हैं और अब उसे क्वालीफिकेशन के लिए सिर्फ एक और जीत की जरूरत है।

भारतीय महिला टीम भी शानदार स्थिति में है। तीन मैचों में दो जीत के साथ भारत अंक तालिका में दूसरे स्थान पर मौजूद है और सेमीफाइनल की रेस में मजबूती से बनी हुई है।

ग्रुप बी में भी तस्वीर काफी हद तक साफ हो चुकी है। इंग्लैंड और वेस्टइंडीज ने अपने तीनों मुकाबले जीतकर दबदबा बनाया हुआ है। वहीं स्कॉटलैंड और आयरलैंड की टीमों का सफर समाप्त हो गया है। आयरलैंड चार मैच खेलने के बावजूद जीत दर्ज नहीं कर सका, जबकि स्कॉटलैंड भी अंतिम चार की दौड़ से बाहर हो गया।

अब टूर्नामेंट का रोमांच और बढ़ने वाला है, क्योंकि सेमीफाइनल की चार सीटों के लिए बड़ी टीमें आखिरी जंग लड़ने को तैयार हैं।

60 लाख की चोरी का राज खुला

कानपुर पुलिस की बड़ी सफलता लाखों की चोरी का भंडाफोड़

यूनिक समय,कानपुर। कानपुर में एक हैरान कर देने वाली चोरी का मामला सामने आया है, जहां पालतू कुत्ते की देखभाल के लिए रखी गई हेल्पर ने ही घर में बड़ी वारदात को अंजाम दे डाला। स्वरूप नगर थाना क्षेत्र में हुई इस घटना का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक नाबालिग को संरक्षण में लिया गया है। पुलिस ने करीब 60 लाख रुपये मूल्य के आभूषण, नकदी और मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं।

जानकारी के मुताबिक, विकास शुक्ला ने 16 जून 2026 को एक मैनपावर एजेंट के जरिए हेल्पर को अपने पालतू कुत्ते की देखभाल के लिए 14 हजार रुपये मासिक वेतन पर काम पर रखा था। लेकिन नौकरी शुरू होने के अगले ही दिन हेल्पर ने घर में रखे सोने-चांदी के आभूषण, नकदी और अन्य कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया। जांच में सामने आया कि एक नाबालिग ने घर का दूसरा दरवाजा खोलकर चोरी की योजना को सफल बनाने में मदद की थी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल सर्विलांस और मुखबिरों की मदद से जांच शुरू की। बुधवार को रावतपुर बस अड्डे के पास से मो. यूनुस और नाबालिग को पकड़ लिया गया। उनकी निशानदेही पर चोरी का माल खरीदने वाले मोहम्मद महताब को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि चोरी पहले से तय योजना के तहत की गई थी। चोरी किए गए एक सोने के कड़े को 2.20 लाख रुपये में बेच

कुत्ते की देखभाल के बहाने घर में एंट्री

दिया गया था। इस रकम से आरोपियों ने महंगे मोबाइल फोन खरीदे, नए कपड़े लिए और अजमेर, लखनऊ तथा माउंट आबू की सैर भी की। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने चोरी की रकम मौज-मस्ती में खर्च कर दी।

पुलिस उपायुक्त सेंट्रल अतुल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि स्वरूप नगर पुलिस, सर्विलांस सेल और स्वाट टीम की संयुक्त कार्रवाई से इस बड़ी चोरी का पर्दाफाश हुआ है। हालांकि एक हीरे की अंगूठी अभी बरामद नहीं हो सकी है, जिसकी तलाश जारी है। साथ ही पुलिस यह भी जांच कर रही है कि आरोपी पहले किसी अन्य चोरी की घटनाओं में शामिल रहे हैं या नहीं।

एसआईटी को लेकर अखिलेश यादव का तीखा हमला

यूनिक समय, लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने महारानी दुर्गा वती की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में आदिवासी और बहुजन समाज को लेकर कई बड़े वादे किए। उन्होंने महारानी दुर्गावती को भारत की सबसे वीर और कुशल शासकों में से एक बताते हुए कहा कि सपा सरकार बनने पर उनकी सोने की प्रतिमा स्थापित की जाएगी।

कार्यक्रम के दौरान अखिलेश यादव ने अयोध्या राम मंदिर में कथित चढ़ावा अनियमितता की जांच के लिए गठित एसआईटी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, "एसआईटी का मतलब क्या है-'शेयर इन थेफ्ट' या 'सेंध इन ट्रस्ट'?" उन्होंने आरोप लगाया कि आस्था से जुड़े मामलों में पारदर्शिता जरूरी है और किसी भी तरह की गड़बड़ी सनातन परंपराओं के लिए चिंता का विषय है।

राम मंदिर से जुड़े मामले पर बोलते हुए सपा प्रमुख ने कहा कि जो लोग सच को सामने लाने का प्रयास कर रहे हैं, उन्हें सम्मान मिलना चाहिए। साथ ही उन्होंने आशंका जताई कि ऐसे लोगों के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल किया जा सकता है।

लखनऊ के अलीगंज अग्निकांड पर भी अखिलेश यादव ने सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि सुरक्षा मानकों का समय पर पालन किया जाता तो कई मासूमों की जान बचाई जा सकती थी। उनके अनुसार प्रशासन और संबंधित विभाग अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल रहे, जिससे राहत और बचाव कार्य प्रभावित हुए।

पर्यावरण और भूमि आवंटन के मुद्दे पर भी सरकार पर निशाना साधते हुए अखिलेश ने कहा कि विकास और पारदर्शिता दोनों साथ-साथ चलने चाहिए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सपा सरकार बनने पर समाज के वंचित वर्गों और महापुरुषों को उचित सम्मान दिया जाएगा।

मोहर्रम जुलूस से पहले शिव चौक को ढंका गया

यूनिक समय,मुजफ्फरनगर। मोहर्रम के सातवें दिन मुजफ्फरनगर में पारंपरिक जुलूस शांतिपूर्ण ढंग से निकाला गया। जुलूस को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस पूरी तरह अलर्ट रही। शहर के संवेदनशील माने जाने वाले शिव चौक पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई, जहां पूरे क्षेत्र को लाल कपड़े से ढंकने के साथ बैरिकेडिंग भी कराई गई। मोती महल से शुरू हुआ जुलूस खालापार होते हुए अपने निर्धारित मार्ग से शिव चौक पहुंचा और फिर आगे बढ़ गया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने जुलूस में हिस्सा लिया। पूरे रूट पर पुलिस बल तैनात रहा और वरिष्ठ अधिकारी लगातार निगरानी करते नजर आए।

प्रशासन ने सुरक्षा के साथ-साथ सभी समुदायों की भावनाओं का भी विशेष ध्यान रखा। संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई, जबकि यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए भी विशेष इंतजाम किए गए।

अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ मिश्रा ने बताया कि मोहर्रम का यह जुलूस शहर के प्रमुख धार्मिक आयोजनों में शामिल है। पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था और लोगों के सहयोग से कार्यक्रम बिना किसी व्यवधान के संपन्न हुआ। प्रशासन अब मोहर्रम के आगामी कार्यक्रमों को लेकर भी तैयारियों में जुटा हुआ है।

गाजियाबाद में रिश्ते को लेकर विवाद

यूनिक समय,गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में पहचान छिपाकर रिश्ते में रहने का मामला सामने आया है। एक युवती ने आरोप लगाया है कि चार साल पहले उसकी मुलाकात मोनू नाम बताने वाले युवक से हुई थी। दोनों साथ रहने लगे और उनकी एक बेटी भी हुई। युवती का कहना है कि जब उसने शादी का दबाव बनाया तो युवक ने अपना असली नाम आरिफ बताया और कथित तौर पर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डालना शुरू कर दिया।

पीड़िता का आरोप है कि विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की गई और बाद में आरोपी उसे और उसकी एक साल की बेटी को छोड़कर फरार हो गया। शिकायत मिलने पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि आरोपी की तलाश जारी है और जल्द ही उसे गिरफ्तार किया जाएगा।

मुहर्रम जुलूस में विवादित नारेबाजी से हड़कंप, पुलिस जांच में सामने आए अहम तथ्य

यूनिक समय,बरेली। हर्रम जुलूस के दौरान कथित तौर पर 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे लगाए जाने का वायरल वीडियो अब नए मोड़ पर पहुंच गया है। मामले की जांच में पुलिस ने दावा किया है कि वीडियो के जरिए माहौल बिगाड़ने और सामाजिक सौहार्द को प्रभावित करने की कोशिश की गई थी। इस मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार, हाफिजगंज थाना क्षेत्र के गांव खाईखेड़ा से जुड़ा

बरेली में जुलूस के दौरान नारेबाजी से मचा बवाल

विवादित नारों ने बढ़ाई हलचल

एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ था। वीडियो में मुहर्रम जुलूस के दौरान विवादित नारे लगाए जाने का दावा किया गया, जिसके बाद क्षेत्र में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की।

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि गांव के रहने वाले दो व्यक्तियों ने कथित रूप से एक बच्चे से कुछ शब्द बुलवाकर उसका वीडियो रिकॉर्ड किया और बाद में उसे सोशल मीडिया पर प्रसारित कर दिया। पुलिस के अनुसार, इस कृत्य का उद्देश्य भ्रम फैलाना और लोगों के बीच तनाव पैदा करना था।

अधिकारियों ने बताया कि दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। साथ ही सोशल मीडिया पर भ्रामक और भड़काऊ सामग्री फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।

पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी वीडियो या संदेश को साझा करने से पहले उसकी सत्यता की पुष्टि जरूर करें। प्रशासन का कहना है कि जिले में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए हर स्तर पर निगरानी रखी जा रही है।

स्वामी प्रसाद के बयान पर संत समाज का तीखा विरोध

संत ने स्वामी प्रसाद मौर्य की जीभ काटने पर रखा 5 लाख का इनाम

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री और अपनी जनतापार्टी के प्रमुख स्वामी प्रसाद मौर्य एक बार फिर अपने विवादित बयान को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बार उन्होंने भगवान राम और राम मंदिर को लेकर ऐसी टिप्पणी कर दी, जिसने प्रदेश की राजनीति के साथ-साथ धार्मिक जगत में भी तीखी बहस छेड़ दी है। उनके बयान के बाद संत समाज, धार्मिक संगठनों और सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई है।

दरअसल, राम मंदिर में कथित तौर पर हुई चोरी की घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए स्वामी प्रसाद मौर्य ने सवाल उठाया कि जब करोड़ों रुपये, सोना और चांदी मंदिर से चोरी हो गए तो भगवान राम उन लोगों को सजा क्यों नहीं दे सके। उन्होंने आगे कहा कि जो अपने मंदिर की रक्षा नहीं कर सकता, वह दूसरों की रक्षा कैसे कर सकता है। उनके इस बयान के सामने आते ही राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई और सोशल मीडिया पर समर्थकों तथा विरोधियों के बीच बहस छिड़ गई।

मौर्य के बयान पर अयोध्या के संत समाज ने कड़ी नाराजगी जताई है। विशेष रूप से विष्णुदास महाराज ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए स्वामी प्रसाद मौर्य को सनातन परंपरा और भारतीय संस्कृति का विरोधी बताया। इतना ही नहीं, उन्होंने एक विवादास्पद घोषणा करते हुए कहा कि जो व्यक्ति स्वामी प्रसाद मौर्य की जीभ काटकर लाएगा, उसे 5 लाख रुपये का इनाम दिया जाएगा। इस बयान के बाद मामला और अधिक गरमा गया है तथा राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आने लगी हैं।

हालांकि, यह पहला अवसर नहीं है जब स्वामी प्रसाद मौर्य अपने बयानों को लेकर विवादों में घिरे हों। इससे पहले भी वे रामचरितमानस, हिंदू धर्म और हिंदू राष्ट्र जैसे विषयों पर दिए गए बयानों के कारण कई बार चर्चा और आलोचना का केंद्र बन चुके हैं। उनके पुराने बयान भी समय-समय पर राजनीतिक और सामाजिक बहस को जन्म देते रहे हैं।

फिलहाल, राम मंदिर और भगवान राम को लेकर की गई टिप्पणी ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में नया विवाद खड़ा कर दिया है। एक ओर संत समाज और धार्मिक संगठन इसका विरोध कर रहे हैं, तो दूसरी ओर सोशल मीडिया पर भी यह मुद्दा लगातार चर्चा में बना हुआ है। आने वाले दिनों में यह विवाद और तूल पकड़ सकता है, क्योंकि धार्मिक भावनाओं और राजनीति से जुड़े ऐसे मुद्दे अक्सर व्यापक जनचर्चा का विषय बन जाते हैं।

योगी के सख्त निर्देश, प्रदेशभर में कोचिंग संस्थानों पर ताला

लखनऊ अग्निकांड के बाद बड़ा एक्शन

यूनिक समय, लखनऊ। राजधानी लखनऊ में हुए दर्दनाक अग्निकांड के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सख्त निर्देश पर उत्तर प्रदेश में कोचिंग संस्थानों के खिलाफ व्यापक जांच अभियान शुरू कर दिया गया है। पुलिस, प्रशासन, अग्निशमन विभाग, विकास प्राधिकरण और विद्युत सुरक्षा विभाग की संयुक्त टीमें सुरक्षा मानकों की पड़ताल में जुटी हैं।

लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज, मेरठ, आगरा, वाराणसी समेत कई जिलों में चलाए गए अभियान के दौरान बड़ी संख्या में अनियमितताएं सामने आईं। अब तक 100 से अधिक कोचिंग संस्थानों पर कार्रवाई करते हुए उन्हें सील किया जा चुका है। जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। जांच के दौरान अग्निशमन उपकरणों, आपातकालीन निकास मार्ग, भवन की संरचना और अन्य सुरक्षा मानकों की गहन जांच की गई। कई संस्थानों में फायर सेफ्टी के पर्याप्त इंतजाम नहीं मिले, जबकि कुछ स्थानों पर भवनों का उपयोग स्वीकृत मानकों के विपरीत किया जा रहा था। कानपुर के काकादेव क्षेत्र में सबसे चौंकाने वाला मामला सामने आया, जहां पार्किंग के लिए निर्धारित बेसमेंट में अवैध रूप से कक्षाएं संचालित की जा रही थीं। यहां 30 से अधिक संस्थानों को सील कर दिया गया।

प्रयागराज, वाराणसी, मिर्जापुर, जौनपुर और चंदौली में भी कई संस्थानों पर कार्रवाई हुई है। प्रशासन का कहना है कि छात्रों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। सरकार का उद्देश्य कोचिंग संस्थानों में सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना और भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकना है।

कोलकाता में दर्दनाक हादसा, गोदाम की छत बनी आफत

40 से 45 लोगों के दबे होने की आशंका

पांच लोगों की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में बुधवार को एक बड़ा हादसा हो गया। तारातला थाना क्षेत्र के ट्रांसपोर्ट डिपो रोड स्थित एक निर्माणाधीन गोदाम की छत अचानक भरभराकर गिर गई। हादसे के समय वहां बड़ी संख्या में मजदूर काम कर रहे थे। आशंका जताई जा रही है कि 40 से 45 मजदूर मलबे में दब गए हैं। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और लोगों की चीख-पुकार से माहौल दहशत भरा हो गया। हादसे की जानकारी मिलते ही कोलकाता पुलिस, दमकल विभाग, आपदा प्रबंधन समूह और सिविल डिफेंस की टीमें मौके पर पहुंच गईं। राहत एवं बचाव कार्य युद्ध स्तर पर शुरू कर दिया गया है। भारी मशीनों, क्रेन और मलबा हटाने वाले उपकरणों की मदद से दबे लोगों को निकालने की कोशिश की जा रही है। स्थानीय लोगों ने भी शुरू किया बचाव प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, छत गिरने से पहले कोई बड़ा संकेत नहीं मिला और कुछ ही सेकंड में पूरी संरचना ढह गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू कर दिया। शुरुआती प्रयासों में 6 से 7 मजदूरों को मलबे से बाहर निकाला गया। इनमें कई लोग घायल बताए जा रहे हैं, जिन्हें नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। कई मजदूरों की हालत गंभीर अधिकारियों के मुताबिक, कुछ मजदूर गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों का इलाज विभिन्न अस्पतालों में चल रहा है। प्रशासन ने आशंका जताई है कि मलबे के नीचे अभी भी कई लोग फंसे हो सकते हैं। बचाव दल लगातार लोहे की बीम और कंक्रीट के बड़े टुकड़ों को हटाने में जुटा है। प्रशासन अलर्ट मोड पर घटना के बाद कोलकाता नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए हैं। पुलिस ने आसपास के इलाके को घेर लिया है और आम लोगों की आवाजाही सीमित कर दी गई है। मजदूरों के परिजन और परिचित बड़ी संख्या में घटनास्थल पर पहुंच रहे हैं और अपनों की जानकारी लेने की कोशिश कर रहे हैं। फिलहाल प्रशासन का पूरा ध्यान मलबे में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने पर है। हादसे के कारणों की जांच भी शुरू कर दी गई है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि निर्माणाधीन गोदाम की छत अचानक कैसे ढह गई।

हैदराबाद में गूंजी ट्रंप एवेन्यू की चर्चा

वैश्विक पहचान की ओर बड़ा कदम

यूनिक समय, नई दिल्ली। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में एक महत्वपूर्ण सड़क का नाम अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नाम पर रखा गया है। फाइनेंशियल डिस्ट्रिक्ट नानकरामगुडा स्थित अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के पास मौजूद इस सड़क को आधिकारिक तौर पर 'डोनाल्ड ट्रंप एवेन्यू' नाम दिया गया है। इस अवसर पर अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर और तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्का ने संयुक्त रूप से नामपट्टिका का अनावरण किया। तेलंगाना सरकार का यह कदम भारत-अमेरिका संबंधों को और मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह सड़क हैदराबाद के उस इलाके में स्थित है, जिसे देश के प्रमुख आईटी और बिजनेस हब के रूप में जाना जाता है। यहां कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों के कार्यालय मौजूद हैं और विदेशी निवेशकों की भी विशेष रुचि रहती है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने पहले ही हैदराबाद की कुछ प्रमुख सड़कों को वैश्विक पहचान देने का प्रस्ताव रखा था। इसी योजना के तहत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध व्यक्तियों और कंपनियों के नाम पर सड़कों का नामकरण किया जा रहा है। इस कड़ी में एक अन्य महत्वपूर्ण सड़क का नाम 'गूगल स्ट्रीट' रखने का भी फैसला लिया गया है। यह सड़क गूगल के नए कैंपस के पास होगी, जिसे अमेरिका के बाहर कंपनी का सबसे बड़ा कैंपस बताया जा रहा है। यह पहल केवल नाम बदलने तक सीमित नहीं है, बल्कि हैदराबाद को वैश्विक निवेश, तकनीक और नवाचार के केंद्र के रूप में स्थापित करने की रणनीति का हिस्सा है। तेलंगाना सरकार का मानना है कि ऐसे कदम राज्य की अंतरराष्ट्रीय पहचान को मजबूत करेंगे और विदेशी निवेश को आकर्षित करने में मदद करेंगे। समारोह के दौरान अमेरिका की स्वतंत्रता की 250 वीं वर्षगांठ भी मनाई गई। इस मौके पर अमेरिकी अधिकारियों ने भारत और अमेरिका के बीच बढ़ते आर्थिक और रणनीतिक संबंधों की सराहना की। वहीं उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्का ने कहा कि हैदराबाद दोनों देशों के बीच सहयोग का मजबूत पुल बन चुका है। विशेषज्ञों का मानना है कि 'डोनाल्ड ट्रंप एवेन्यू' और 'गूगल स्ट्रीट' जैसे नाम हैदराबाद की वैश्विक ब्रांडिंग को नई पहचान देंगे। साथ ही यह शहर को तकनीक, व्यापार और नवाचार के क्षेत्र में विश्व स्तर पर और अधिक मजबूती से स्थापित करने में सहायक साबित हो सकते हैं।

बेटी की साजिश से खत्म हुआ परिवार

टोकाटाकी बनी खौफनाक वजह

यूनिक समय, नई दिल्ली। बेंगलुरु के के.आर. पुरम इलाके में हुए चर्चित ट्रिपल मर्डर केस में बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस ने मुख्य आरोपी श्वेता को गिरफ्तार कर लिया है, जिस पर अपने माता-पिता और छोटी बहन की हत्या का आरोप है। प्रारंभिक पूछताछ में श्वेता ने स्वीकार किया कि उसने अपनी मां की हत्या की थी। पुलिस के अनुसार, श्वेता का कहना है कि वह अपनी मां के व्यवहार से बेहद परेशान थी। उसे लगता था कि उसकी आजादी छीन ली गई है और हर बात पर उसे टोका-टाकी का सामना करना पड़ता था। इसी कारण वह घर छोड़कर अलग रहने लगी थी। आरोपी ने यह भी बताया कि परिवार के बीच रहते हुए भी वह खुद को अनाथ जैसा महसूस करती थी। जांच के दौरान पुलिस को श्वेता की एक डायरी भी मिली है। डायरी में उसने मानसिक तनाव, स्वतंत्र जीवन जीने की इच्छा और परिवार से दूरी की भावनाओं का जिक्र किया है। पुलिस का मानना है कि पारिवारिक तनाव इस मामले की बड़ी वजह हो सकता है। मामले में श्वेता के बॉयफ्रेंड केनिथ की भूमिका की भी जांच की जा रही है। हालांकि, घटना के बाद से उसका कोई सुराग नहीं मिला है। पुलिस उसके बारे में जानकारी जुटाने में लगी हुई है। जांच में यह भी सामने आया है कि श्वेता ने परिवार से छिपाकर करीब 30 लाख रुपये का लोन ले रखा था। समय पर ईएमआई नहीं चुकाने के कारण बैंक के नोटिस घर पहुंचने लगे थे, जिससे परिवार और श्वेता के बीच विवाद और बढ़ गया था। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है और अन्य संभावित पहलुओं को भी खंगाल रही है। यह मामला शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है और लोगों को झकझोर देने वाला माना जा रहा है।

खामेनेई के अंतिम संस्कार पर पी एम मोदी को ईरान का न्योता

यूनिक समय, नई दिल्ली। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियन ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होने का निमंत्रण भेजा है। राजनयिक सूत्रों के अनुसार इस बड़े आयोजन में कई देशों के प्रमुख नेताओं के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि भारत सरकार की ओर से अभी तक इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। ईरानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अंतिम संस्कार से जुड़े कार्यक्रम 5 जुलाई से शुरू होकर लगभग पांच दिनों तक चलेंगे। 7 जुलाई को पवित्र शहर क़ोम में विशेष शोक सभाएं आयोजित की जाएंगी, जबकि 9 जुलाई को उनके पार्थिव शरीर को उनके गृहनगर मशहद में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। बताया जा रहा है कि अयातुल्ला अली खामेनेई का निधन इस वर्ष फरवरी में तेहरान पर हुए इजरायल और अमेरिका के हवाई हमलों के दौरान हुआ था। वह करीब 36 वर्षों तक ईरान के सर्वोच्च नेता रहे और देश की राजनीति व विदेश नीति में उनकी निर्णायक भूमिका रही। इस आयोजन में तेहरान, क़ोम और मशहद में मिलाकर लगभग दो करोड़ लोगों के शामिल होने का अनुमान है। यदि ऐसा होता है तो यह दुनिया के सबसे बड़े अंतिम संस्कारों में से एक होगा। इस मौके पर पाकिस्तान समेत कई देशों के प्रतिनिधियों के पहुंचने की संभावना है, जिससे यह कार्यक्रम एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक आयोजन भी बन सकता है।

ऑस्ट्रेलिया में भारत बना सबसे भरोसेमंद देश

भरोसे के मामले में अमेरिका-चीन को पछाड़ा

यूनिक समय, नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के प्रतिष्ठित थिंक-टैंक लोवी इंस्टीट्यूट के ताज़ा सर्वे में भारत को लेकर एक महत्वपूर्ण और सकारात्मक तस्वीर सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, ऑस्ट्रेलियाई नागरिक अब भारत पर अमेरिका, चीन और रूस की तुलना में ज्यादा भरोसा जताते हैं। यह वैश्विक स्तर पर भारत की बढ़ती साख और प्रभाव का संकेत माना जा रहा है। सर्वे में 50 प्रतिशत ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों ने भारत पर विश्वास जताया है, जबकि अमेरिका पर केवल 31 प्रतिशत, चीन पर 28 प्रतिशत और रूस पर 11 प्रतिशत लोगों ने भरोसा किया है। यह आंकड़े दिखाते हैं कि पारंपरिक महाशक्तियों के मुकाबले भारत की विश्वसनीयता तेजी से बढ़ रही है। रिपोर्ट के अनुसार, 46 प्रतिशत लोग मानते हैं कि भारत अंतरराष्ट्रीय मामलों में जिम्मेदारी के साथ अपनी भूमिका निभाएगा। वहीं कुछ लोगों ने भारत की नेतृत्व क्षमता पर "बहुत ज्यादा भरोसा" भी जताया है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत की मजबूत आर्थिक स्थिति, तेजी से बढ़ती विकास दर, सक्रिय विदेश नीति और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में बढ़ता प्रभाव इसकी बड़ी वजह है। इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वैश्विक स्तर पर मजबूत छवि ने भी भारत के प्रति भरोसे को बढ़ाया है। यही कारण है कि भारत अब वैश्विक मंच पर एक भरोसेमंद और स्थिर साझेदार के रूप में उभर रहा है।

आर्कटिक की पिघलती बर्फ में भारत देख रहा नया भविष्य

व्यापार को मिलेगा नया रास्ता

यूनिक समय, नई दिल्ली। ग्लोबल वार्मिंग के कारण आर्कटिक क्षेत्र की बर्फ तेजी से पिघल रही है। जहां अधिकांश देश इसे पर्यावरणीय संकट के रूप में देख रहे हैं, वहीं भारत इस बदलाव में नए अवसर तलाश रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि आर्कटिक में हो रहे परिवर्तन भविष्य की वैश्विक राजनीति, व्यापार और समुद्री मार्गों को प्रभावित कर सकते हैं। इसी वजह से भारत इस क्षेत्र में अपनी मौजूदगी और साझेदारी बढ़ाने पर जोर दे रहा है। आर्कटिक में बर्फ पिघलने से 'नॉर्दर्न सी रूट' नामक समुद्री मार्ग अधिक उपयोगी होता जा रहा है। यह मार्ग रूस के उत्तरी तट से होकर गुजरता है और एशिया तथा यूरोप के बीच की दूरी को स्वेज नहर मार्ग की तुलना में लगभग 40 प्रतिशत तक कम कर सकता है। इससे माल ढुलाई का समय घटेगा, ईंधन की बचत होगी और व्यापारिक लागत कम होगी। साथ ही कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आने की संभावना है। भारत इस अवसर का लाभ उठाने के लिए नॉर्डिक और बाल्टिक देशों के साथ अपने संबंध मजबूत कर रहा है। इंडिया-नॉर्डिक समिट और विभिन्न द्विपक्षीय बैठकों के जरिए सहयोग बढ़ाया जा रहा है। भारत समुद्री सुरक्षा, ब्लू इकोनॉमी, हरित ऊर्जा और टिकाऊ बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दे रहा है। इन क्षेत्रों में नॉर्डिक देशों के पास उन्नत तकनीक और व्यापक अनुभव मौजूद है। ग्रीन एनर्जी, साइबर सुरक्षा और डिजिटल तकनीक के क्षेत्र में भी भारत और नॉर्डिक देशों के बीच सहयोग बढ़ रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि आर्कटिक क्षेत्र में बढ़ती सक्रियता भारत को वैश्विक सप्लाई चेन और अंतरराष्ट्रीय व्यापार नेटवर्क में अधिक मजबूत स्थान दिला सकती है। विश्लेषकों के अनुसार, भारत की यह रणनीति केवल आर्थिक लाभ तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भविष्य की भू-राजनीतिक चुनौतियों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। आर्कटिक में बढ़ती भागीदारी भारत को वैश्विक स्तर पर अधिक प्रभावशाली भूमिका निभाने का अवसर दे सकती है। यही कारण है कि नई दिल्ली इस बदलते परिदृश्य को भविष्य के बड़े अवसर के रूप में देख रही है।

धीरेंद्र शास्त्री ने एनकाउंटर पर सवाल उठाए

भरत तिवारी केस में जांच की मांग

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार के भोजपुर जिले के बेलौटी गांव में हुए भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर को लेकर मामला लगातार गरमाता जा रहा है। इसी बीच बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने इस पर बड़ा बयान दिया है। श्रीलंका से लौटने के बाद उन्होंने कहा कि अगर कोई व्यक्ति शरण में आता है तो उसकी हत्या नहीं की जानी चाहिए, बल्कि उसे कानून के तहत गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया जाना चाहिए। धीरेंद्र शास्त्री ने सरकार से इस पूरे मामले की निष्पक्ष और उच्च स्तरीय जांच की मांग की है, ताकि सच्चाई सामने आ सके और पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि वे जल्द ही बिहार जाकर भरत तिवारी के परिजनों से मुलाकात करेंगे और उनका पक्ष सुनेंगे। भरत तिवारी का एनकाउंटर 17 जून को हुआ था, जिसके बाद से इलाके में विरोध प्रदर्शन तेज हो गए हैं। परिजनों और समर्थकों ने पुलिस पर गंभीर सवाल उठाए हैं। मामले में कुछ पुलिसकर्मियों पर एफ़.आई.आर. भी दर्ज हुई है। आज गांव में महापंचायत बुलाई गई है, जिससे तनाव और बढ़ गया है।

बाइक सवारों ने कंडक्टर से लूटे 30 हजार

फ्लाइओवर पर बस से उतर कर जा रहा था चौमुंहा

पुलिस बदमाशों की तलाश में जुटी

यूनिक समय, चौमुहां, मथुरा। ड्यूटी करके देर रात घर लौटते बस कंडक्टर से फ्लाईओवर पर बाइक सवार लुटेरों ने बैग छीन लिया। बैग से 30 हजार रुपये निकालने के बाद बैग को बदमाश वहीं फेंक गए। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस जांच में जुटी है।

बताया गया कि चौमुहां निवासी अनिल कुमार रोडवेज में बस कंडक्टर है। बीती रात वह ड्यूटी समाप्त करने के बाद करीब 11 बजे बस से चौमुहां आ रहा था। फ्लाईओवर पर बस से उतरने के बाद जैसे ही वह कुछ कदम चला। इसी बीच बाइक पर सवार दो युवकों ने उसके हाथ में लगा बैग छीन लिया। बैग में तीस हजार रुपये थे। बदमाशों ने कैश निकालने के बाद बैग वहीं फेंक दिया। लूट का शिकार हुए अनिल कुमार ने अपने साथ हुई लूट की इस बारदात के बारे में पुलिस को लिखित तहरीर दी। फ्लाइओवर पर हुई लूट की जानकारी होने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। बताया गया कि पुलिस ने आस–पास लगे सीसी टीवी केमरों की फुटेज चेक की। फुटेज में दो बाइक सवार जाते हुए नजर आ रहे हैं। पुलिस बदमाशों को गिरफ्तार करने के लिए सीसी फुटेज और अन्य सूत्रों से जानकारी हासिल कर रही है। कंडक्टर के साथ हुई लूट की वारदात से इलाके के लोगों में दहशत का माहौल है।

एक लाख की चौथ न देने पर हमला करने वालों की अग्रिम जमानत खारिज

यूनिक समय, मथुरा। कोसीकलां क्षेत्र में एक लाख रुपये की चौथ मांगने और जानलेवा हमला करने के मामले में दो आरोपियों को अदालत से राहत नहीं मिली। प्रभारी जिला जज की अदालत ने रामवल्लभ और नारायण सिंह की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। अभियोजन के अनुसार, मीना नगर निवासी गोविंद पंडित ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 17 मई 2026 को बस स्टैंड के पास दीना उर्फ दीनू, उसके भाई नारायण और साथी रामवल्लभ ने उन्हें रोक लिया। आरोप है कि आरोपियों ने तमंचा दिखाकर एक लाख रुपये की मांग की और मना करने पर हमला कर दिया। फायरिंग भी की गई, जिसमें गोविंद बाल–बाल बच गए।

मामले की सुनवाई प्रभारी जिला जज एवं विशेष न्यायाधीश एससी–एसटी एक्ट अजयपाल सिंह की अदालत में हुई। अदालत ने दोनों आरोपियों की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है।

संजय भैया ने ध्येय निष्ठ होकर वात्सल्य ग्राम को सेवाएं अर्पित की

पदम विभूषण से सम्मानित दीदी मां साध्वी ऋतंभरा को चित्रपट भेंटकर संजय भैया आशीर्वाद लेते हुए।

यूनिक समय, वृंदावन। वात्सल्य ग्राम में परमशक्ति पीठ के राष्ट्रीय सचिव और साध्वी ऋतंभरा के गुरु भाई संजय गुप्ता का 65 वां जन्मदिवस "निष्ठा दिवस" के रूप में मनाया गया।

इस अवसर पर यज्ञादि भजन–कीर्तन का आयोजन किया गया। वात्सल्य ग्राम के बच्चों ने अपने पापा के जन्म दिवस पर वेद मंत्र वाचन कर स्वस्थ एवं दीर्घायु की मंगल कामना की। वात्सल्य ग्राम के कर्म योगियों ने बुके देकर फूल मालाएं पहनाकर,शाल ओढ़ाकर शुभकामनाएं दीं। भैया ने दीदी मां को कमलपुष्प माला पहना कर आशीर्वाद लिया।

साध्वी ऋतंभरा ने चित्रपट भेंट करते कहा कि संजय भैया ने कर्तव्य निष्ठ, ध्येय निष्ठ होकर के वात्सल्य ग्राम को अपनी सेवाएं अर्पित की हैं। वह दिल्ली में उच्च स्तरीय सीए थे। चाहते तो लाखों कमा सकते थे, लेकिन उन्होंने सब कुछ त्याग कर वात्सल्य ग्राम में पल रहे बच्चों के पिता बनकर उनके सुनहरे सपनों को गति देना स्वीकार किया। इस अवसर पर स्वामी संतोषानन्द एवं महामंडलेश्वर स्वामी वेदानंद गिरी ने विचार रखे। कवि डॉ उमाशंकर राही ने काव्य पाठ के माध्यम से निष्ठा दिवस के महत्व को प्रकाश डाला।

इस अवसर पर स्वामी सत्यशील,साध्वी स्वयं ज्योति, साध्वी शिरोमणि, एके शर्मा, सुमन लता,साध्वी सत्यश्रुति, कप्तान सिंह, साध्वी सत्यव्रता, साध्वी सत्यकीर्ति, साध्वी, सत्य मूर्ति, साध्वी साध्या,स्वामी सत्यालोकानंद, सीमा शर्मा, मीनाक्षी अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

गंगा दशहरा पर द्वारकाधीश मंदिर में सजी यमुना की झांकी

गंगा दशहरा पर ठाकुर द्वारिकाधीश मंदिर में सजी यमुना की झांकी

यूनिक समय, मथुरा। गंगा दशहरा पर पुष्टिमार्गीय संप्रदाय के मंदिर द्वारकाधीश में विशेष धार्मिक आयोजन किए गए। मंदिर में ठाकुर के समक्ष यमुना की मनोहारी झांकी सजाई गई, जिसके दर्शन करने के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिर के विधि एवं मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी (एडवोकेट) ने बताया कि गंगा दशहरा पर श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखते हुए ठाकुर जी के समक्ष यमुना महारानी का दिव्य स्वरूप सजाया गया। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन गंगा स्नान का विशेष महत्व माना जाता है। जो श्रद्धालु गंगा तक नहीं पहुंच पाते, वे यमुना में स्नान कर पुण्य लाभ प्राप्त करते हैं।

मंदिर में यमुना के समक्ष विराजमान ठाकुर द्वारकाधीश के दर्शन कर भक्त भाव–विभोर हो उठे। प्रातःकाल से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। दिव्य झांकी और भक्तिमय वातावरण के बीच श्रद्धालुओं ने ठाकुर जी और यमुना महारानी के दर्शन कर भक्त भक्ति में विभोर हो गए।

गंगा दशहरा पर फूल बंगला में विराजी मां गंगा

प्रमुख संवाददाता

गंगा दशहरा पर फूल बंगला में विराजमान मां गंगा की झांकी के दर्शन।

यूनिक समय, वृंदावन। श्री गंगा लोक कल्याण सेवा संस्थान के तत्वावधान में गंगा दशहरा पर अठखंभा स्थित प्राचीन श्री गंगा मंदिर पर सजाए फूल बंगला में मां गंगा की विराजी। यह छवि भक्तों को मोहित कर रही थी। देर रात्रि तक दर्शनों के लिए भक्तों का तांता लगा रहा। इससे पहले रमेश चंद शर्मा ने प्रातः काल मां गंगा का अभिषेक दूध, दही, बूरा, शहद, गंगाजल से मंत्रोच्चार के साथ किया गया। अभिषेक के साथ गंगा सहस्त्रनाम और गंगा लहरी का पाठ भी किया गया। इस मौके पर देव सारस्वत,राधा कृष्ण पाठक,शैलेन्द्र शर्मा,जय प्रकाश सारस्वत,अनूप शर्मा,संजय शर्मा,दिनेश गोस्वामी,मुकुल गौतम,मोहन लाल शर्मा,बृज मोहन शर्मा, अजय गोस्वामी,सचिन ब्रजवासी, सुदर्शन दुआ,नरेंद्र सिंह आदि उपस्थित थे। सेवायत विनय गोस्वामी ने भक्तों का आभार जताया।

मोहर्रम पर तीन स्थानों से निकला छोटी दुलदुल, अलम का जुलूस

जगह जगह लंगर किया गया वितरित

यूनिक समय, मथुरा। हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में आठ मोहर्रम पर बुधवार को मोहर्रम कमेटी शहर और सदर के तत्वावधान में तीन प्रमुख जुलूस पूरे अदब, प्रेम, शांति और सदभावना के साथ निकाले गए। बिसायती पाड़ा से छोटी दुलदुल, अलम का जुलूस और खारी कुआं से कुरैशी समाज का अखाड़ा जुलूस अपने पारंपरिक मार्गों से गुजरे। जुलूस मार्गों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे और श्रद्धालुओं ने जगह–जगह लंगर वितरण किया।

जाकिर के नेतृत्व में छोटी दुलदुल शाम 7 बजे बिसायती पाड़ा से रवाना हुई। जुलूस हालनगंज, तेलीपाड़ा, लाल दरवाजा, गुड़हाई बाजार, चौक बाजार, कुशक गली, हनुमान टीला, काजी पाड़ा, मानिक चौक, नक्कारची टीला, घीया मंडी, खारी कुआं, सराय भरतपुर गेट, दरेसी रोड, मनोहरपुरा, मटिया गेट, मेवातीपाड़ा, नई बस्ती, ईदगाह, बरबार पाड़ा, ठेक नारनौल और अर्जुनपुरा होते हुए बिसायती पाड़ा पहुंचकर संपन्न हुआ। नुसरत खान के नेतृत्व में काजी पाड़ा से अलम का जुलूस निकला। यह चूड़ी वाली गली, नक्कारची टीला, कुशक गली, चौक बाजार, घीया मंडी, भरतपुर गेट, मनोहरपुरा, मटिया गेट, बरबार पाड़ा, मंडी रामदास, ठेक नारनौल, खिड़की बिसायती, हालनगंज, वृंदावन गेट और जामा मस्जिद होते हुए चौक पर पहुंचा और काजी पाड़ा पहुंचकर संपन्न हुआ। हाजी कलेक्टर और कदीर खलीफा के नेतृत्व में कुरैशी समाज का अखाड़ा जुलूस खारी कुआं से शुरू हुआ।

दुलदुल के दीदार के लिए बड़ी संख्या में माताएं अपने नन्हे बच्चों को गोद में लेकर पहुंचीं।

श्रद्धालुओं ने दुलदुल को दूध, जलेबी और चने की दाल खिलाई और मन्नत मांगते हुए बच्चों को दुलदुल के नीचे से निकाला।

मोहर्रम कमेटी के अध्यक्ष भूरा शेख ने सभी अलमदारों, अखाड़ेदारों और ताजियेदारों से प्रेम, सौहार्द और शांति के साथ सादगीपूर्वक जुलूस निकालने की अपील करते हुए कहा कि करबला भाईचारे और इंसानियत का संदेश देती है।

मथुरा की गंगा–जमुनी तहजीब को बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। इस दौरान अबरार खान वारसी, जहीर अब्बास जैदी, हाजी सूफी सईद हसन, बबलू कुरैशी, डॉ. शबनम कुरैशी, शारिक अली एडवोकेट, आरिफ कुरैशी आदि मौजूद रहे।

राधा प्रसाद देव जू का 62 वां वैराग्य महोत्सव मनाया

यूनिक समय, वृंदावन । परिक्रमा मार्ग स्थित ललित कुंज आश्रम में हरिदासीय संप्रदाय के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी राधा प्रसाद देव जू महाराज का 62वां वैराग्य महोत्सव श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। आश्रम परिसर को विशेष रूप से सजाया गया, जहां दिनभर धार्मिक अनुष्ठान, संकीर्तन और साधु–सेवा का आयोजन हुआ। आश्रम के महंत मोहिनी बिहारी शरण ने बताया कि स्वामी राधा प्रसाद देव जू महाराज ने मात्र आठ वर्ष की आयु में गृह त्याग कर वैराग्य धारण किया था। उन्होंने वृंदावन में रहकर हरिदासीय संप्रदाय की परंपराओं को आगे बढ़ाया। महोत्सव के अवसर पर ठाकुर जी के समक्ष आम का आकर्षक बंगला सजाया गया। शाम को भजन संध्या एवं आरती का आयोजन हुआ। कार्य क्रम में महामंडलेश्वर सत्यानंद सरस्वती गिरि, महामंडलेश्वर कृष्णानंद, महंत अचल बिहारी दास, महंत वैष्णव दास, महंत राम दास, बिहारी लाल वशिष्ठ, आचार्य मनोज मोहन शास्त्री, आचार्य मृदुलकांत शास्त्री, आचार्य बद्रीश, सौरभ गौड़, योगेश गर्ग, हनी मित्तल, यश मित्तल, आयुष मित्तल, सोनू सैनी और डॉ. तनुजा सहित बड़ी संख्या में संत, भक्त और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

हत्या में वांछित महिला गिरफ्तार

यूनिक समय गोवर्धन, मथुरा। पुलिस ने हत्या के अभियोग में वांछित चल रहे एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने महिला अभियुक्त को दिल्ली–मथुरा रोड पर छटीकरा के समीप प्रकाश ढावे से पहले गिरफ्तार किया है।

लोकतंत्र रक्षक सेनानी सम्मान समारोह गुरुवार को

यूनिक समय, मथुरा। भाजपा महानगर द्वारा आपातकाल के 51 वर्ष पूर्ण होने पर 25 जून को परिणय गार्डन, मसानी लिंक रोड पर संविधान हत्या दिवस और लोकतंत्र रक्षक सेनानी सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। जिला मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष-केंद्रीय वित राज्य मंत्री पंकज चौधरी होंगे।

स्वनिधि महोत्सव में पथ विक्रेताओं को मिला योजनाओं का लाभ

ऋण और क्रेडिट कार्ड की सुविधाएं दी गईं

स्वनिधि महोत्सव में पथ विक्रेताओं को योजनाओं के बारे में जानकारी देते अधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। भारत सरकार की प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के छह वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में नगर निगम मथुरा–वृंदावन के जनरल गंज स्थित सभागार में स्वनिधि महोत्सव का आयोजन हुआ।

बल्देव विधायक पूरन प्रकाश ने शुभारंभ करते कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में संचालित प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना रेहड़ी, पटरी और पथ विक्रेताओं के लिए बेहद लाभकारी साबित हुई है। इस योजना ने छोटे व्यापारियों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने और स्वरोजगार को बढ़ावा देने का काम किया है। कार्यक्रम में पथ विक्रेताओं को नए ऋण आवेदन, ऋण स्वीकृति, ऋण वितरण, क्रेडिट कार्ड आवेदन और क्रेडिट कार्ड वितरण जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। लाभार्थियों को बताया गया कि योजना के तहत बिना गारंटी ऋण, डिजिटल भुगतान पर कैशबैक और समय पर ऋण चुकाने पर ब्याज में छूट की सुविधा मिलती है। इस मौके पर परियोजना अधिकारी डूडा राजकुमार चौधरी, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक, विभिन्न विभागों के अधिकारी, बैंक कर्मचारी, नगर निगम, डूडा के कर्मचारी और बड़ी संख्या में पथ विक्रेता मौजूद रहे।

दुराचारी गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली पुलिस ने दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस मामले में अभियुक्त सोनू उर्फ सोन सिंह निवासी उच्चेन थाना उच्चैन जिला भरतपुर राजस्थान को बीएसए रोड नया बस अड्डे के निकट से गिरफ्तार किया है।